हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 79 | प्रयागराज, सोमवार 19 जून , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

भारत लोकतंत्र की जननी है पीएम मोदी ने फिर याद किया इमरजेंसी का दौर, बोले- मन सिहर उठता है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल को भारतीय इतिहास का 'काला दौरश करार देते हुए रविवार को कहा कि उस दौरान लोकतंत्र के समर्थकों पर जो अत्याचार किए गए और उन्हें जिस प्रकार की यातनाएं दी गईं, उसे याद करने भर से आज भी मन सिहर उठता है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात की 102वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने कहा कि भारत 'लोकतंत्र की जननीश है, जो लोकतांत्रिक आदर्शों और संविधान को सर्वोपरि मानता है, लिहाजा 25 जून की तारीख को कभी भुलाया नहीं जा सकता। तत्कालीन प्रधानंमत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारत में 1975 में आपातकाल लगाया गया था। इसे भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की बड़ी घटना माना जाता है। मोदी ने कहा, ''भारत लोकतंत्र की जननी है। हम, अपने लोकतांत्रिक आदर्शों को सर्वोपरि मानते हैं, अपने संविधान को सर्वोपरि मानते हैं। इसलिए, हम 25 जून को भी कभी भुला नहीं सकते। यह वही दिन है जब हमारे देश पर आपातकाल थोपा गया था। पीएम मोदी ने कहा, ''यह भारत के इतिहास का काला दौर था। लाखों लोगों ने आपातकाल का पूरी ताकत से विरोध किया था। लोकतंत्र के समर्थकों पर उस दौरान इतना अत्याचार किया गया, इतनी यातनाएं दी गईं कि आज भी मन सिहर उठता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जब आजादी के 75 वर्ष से सौवें वर्ष की तरफ बढ़ रहा है, तो आजादी को खतरे में डालने वाले आपातकाल के अपराधों का अवलोकन जरूरी है। उन्होंने कहा कि इससे आज की युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के मायने तथा उसकी अहमियत समझने में और ज्यादा आसानी होगी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भी उल्लेख किया और देशवासियों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''योग को अपने जीवन में जरूर अपनाएं, इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। अगर अब भी आप योग से नहीं जुड़े हैं, तो 21 जून इस संकल्प के लिए बहुत बेहतरीन मौका है। योग में तो वैसे भी ज्यादा तामझाम की जरूरत ही नहीं होती है। जब आप योग से जुड़ेंगे, तो आपके जीवन में बड़ा परिवर्तन आएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री इस वर्ष योग दिवस पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पहली बार योग सत्र का नेतश्त्व करेंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य इसके कई लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाना है। इसकी सार्वभौमिक अपील को स्वीकार करते हुए, दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा की थी।

दिल्ली बहनों की हत्याः वीडियो में खुलेआम फायरिंग करते दिखाई दे रहे हमलावर

नई दिल्ली। दिल्ली के आर.के. पुरम इलाके में दो बहनों पर हुए हमले का एक वीडियो फुटेज वायरल हुआ है। इसमें हमलावर बेखौफ होकर अंधाधुंध फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में हमलावरों को दो बहनों पिंकी (30) और ज्योति (29) पर गोली चलाते हुए दिखाया गया है, जो अपने भाई को बचाने की कोशिश कर रही थीं। वीडियो में घटनास्थल पर जमा भीड़ को भी दिखाया गया है। मौके पर इतने लोगों के होने के बावजूद हमलावर फायरिंग करते हुए भागने में सफल रहे। अधिकारियों ने कहा कि बाद में उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और गश्त भी की जा रही है। मामले में आर्म्स एक्ट सहित हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच के लिए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम गठित की गई है। पुलिस ने बताया कि हमलावरों का मश्तक के भाई से आर्थिक मामले को लेकर विवाद था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति की आलोचना की और मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

विपक्ष के बहाने भ्रष्टाचारी, वंशवादी दलों को जुटा रहे नीतीश कुमार : सुशील मोदी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में 23 जून को होने वाले विपक्षी दलों के बैठक के पूर्व भाजपा ने बैठक को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार निशाना साधा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि विपक्षी एकता के नाम पर भ्रष्टाचार में डूबे वंशवादी दलों की बैठक बुलाई गई है और ये सभी दल केवल अपनी–अपनी दुकान बचाने के लिए एक–साथ दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस जुटान का न देशहित, लोकतंत्र और विकास से कोई वास्ता है और न इनमें से कोई दल अपने प्रभाव वाले राज्य में दूसरे गैर–भाजपा दल से हाथ मिलाने को तैयार हैं।

मोदी ने कहा कि जिन दलों ने इसमें भाग लेने की सहमति दी है, उनमें कांग्रेस, राजद, सपा, टीएमसी, माकपा, झामुमो, द्रमुक सहित दर्जन–भर पार्टियां ऐसी हैं, जिनका नेतश्त्व किसी एक परिवार के हाथ में है और जिनके बड़े नेता भ्रष्टचार के मामलों में जेल या बेल के बीच झूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद चारा घोटाला के सभी मामलों में सजायाफ्ता होकर जमानत पर हैं। राजद में दूसरी पीढ़ी के नेता नौकरी के बदले जमीन मामले में कभी भी जेल जा सकते हैं। मोदी ने कहा कि दो दिन पहले द्रमुक सरकार के बिजली मंत्री गिरफ्तार हुए।

आप, टीएमसी, एनसीपी के दो–दो मंत्री जेल में हैं या बेल पर। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा–विरोधी दल राष्ट्रीय स्तर एक होने का नाटक करते हैं और दूसरी तरफ अपने–अपने राज्य में एक–दूसरे को मिटाने पर तुले हैं। यह कैसी एकता है? उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में पहली बार ऐसी विपक्षी एकता की कोशिश हो रही है, जो केवल भ्रष्टचार और वंशवाद के समर्थन में है। 23 जून को नीतीश कुमार जेपी की कर्मभूमि पटना को कलंकित करने वाले हैं।

बंगाल पंचायत चुनाव में एक और हत्या, भाजपा ने टीएमसी पर लगाया आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर हुई हिंसा के बीच कूचबिहार जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक उम्मीदवार के रिश्तेदार का शव मिला। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय शम्भू दास को शनिवार रात अज्ञात युवकों ने घर के बाहर बुलाया।

पुलिस ने बताया कि कुछ घंटों के बाद उसका शव एक तालाब के पास मिला, जिस पर चाकू से वार किए गए थे। भाजपा नेता अजॉय रॉय ने आरोप लगाया कि दिनहाटा के दासग्राम क्षेत्र से भाजपा ग्राम पंचायत उम्मीदवार के रूप में बिसाखा दास का समर्थन करने वाले शम्भू की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के समर्थकों ने हत्या कर दी।

रॉय के आरोप को खारिज करते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री और टीएमसी के दिनहाटा से विधायक उदयन गुहा ने कहा कि इस घटना में पार्टी की कोई भूमिका नहीं है और दास राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "शम्भू की हत्या व्यक्तिगत झगड़े के कारण हुई। भाजपा पश्चिम बंगाल में हर अपराध को एक राजनीतिक रंग देती है और इसे पंचायत चुनावों से जोड़ती है।

पुलिस ने बताया कि मालदा जिले के शुजापुर इलाके में टीएमसी उम्मीदवार मुस्तफा शेख पर बदमाशों ने जानलेवा हमला किया। उन्होंने बताया कि शेख को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राज्य मंत्री सबीना यास्मीन के अनुसार, टिकट नहीं मिलने के बाद कांग्रेस में शामिल होने वाले टीएमसी के पूर्व कार्यकर्ता शेख पर हमले के पीछे हैं। आठ जुलाई को होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया के दौरान व्यापक हिंसा में राज्य के विभिन्न हिस्सों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

23 जून के बाद फिर होगा नीतीश कैबिनेट का विस्तार, राजद और कांग्रेस कोटे से बनेंगे मंत्री

पटना। बिहार में 23 जून के बाद एक बार फिर से मंत्रिमंडल का विस्तार होगा, जिसमें राजद और कांग्रेस कोटे से मंत्री बनाए जाएंगे। इसकी जानकारी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने दी है। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम में प्रेस को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि विपक्षी एकता की बैठक के बाद एकबार फिर से बिहार कैबिनेट का विस्तार होगा। इसमें कांग्रेस और राजद कोटे से मंत्री बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से 2 नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। बता दें कि राजद के दो मंत्रियों कार्तिकेय कुमार और सुधाकर सिंह ने अलग–अलग कारणों से इस्तीफा दिया था, जिसके कारण ये पद खाली पड़े हैं। वहीं उसके बाद से ही कैबिनेट के विस्तार की अटकलें लगाई जा रही हैं। अखिलेश सिंह ने आगे कहा कि 23 जून की विपक्षी एकजुटता बैठक में राहुल गांधी शामिल होंगे।

युवाओं के रोजगार के सपने थे पीएसयू, अब घटीं दो लाख नौकरियां : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में दो लाख से अधिक नौकरियों में गिरावट को लेकर केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि यह भारत का गौरव हुआ करता था और रोजगार के लिए हर युवा का सपना होता था। लेकिन चंद पूंजीपति मित्रों के फायदे के लिए लाखों युवाओं की उम्मीदों को कुचला जा रहा है। राहुल गांधी ने हिंदी में एक ट्वीट में कहा, पीएसयू भारत का गौरव हुआ करते थे और रोजगार के लिए हर युवा का सपना हुआ करते थे। लेकिन ये आज सरकार की प्राथमिकता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश में पीएसयू में रोजगार 2014 में 16.9 लाख से घटकर 2022 में केवल 14.6 लाख रह गया है। उन्होंने कहा, क्या विकासशील देश में रोजगार घटता है?सरकार पर कटाक्ष करते हुए, वायनाड के पूर्व लोकसभा सांसद ने कहा, जिन्होंने हर साल 2 करोड़ नौकरियों का झूठा वादा किया था, उन्होंने 2 लाख से अधिक नौकरियों को समाप्त कर दिया। इसके अलावा, इन संस्थानों में संविदा भर्ती लगभग दोगुनी हो गई है। क्या यह इन कंपनियों के निजीकरण की साजिश है?राहुल ने कहा, उद्योगपतियों के ऋण माफ किए गए, और सार्वजनिक उपक्रमों से सरकारी नौकरियां खत्म हो गईं। यह कैसा अमश्त काल है? यदि यह वास्तव में अमश्त काल है तो नौकरियां इस तरह क्यों गायब हो रही हैं? इस सरकार के तहत देश रिकॉर्ड बेरोजगारी से जूझ रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, चंद पूंजीपति मित्रों के फायदे के लिए लाखों नौजवानों की उम्मीदों को कुचला जा रहा है। उन्होंने कहा,यदि भारत के पीएसयू को सरकार से सही वातावरण और समर्थन मिलता है, तो वे अर्थव्यवस्था और रोजगार दोनों को बढ़ाने में सक्षम हैं। पीएसयू देश और देशवासियों की संपत्ति हैं, उन्हें बढ़ावा देना होगा ताकि वे भारत के प्रगति पथ को मजबूत कर सकें। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पीएसयू में सरकारी नौकरियों में कमी को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। 40 वर्षों में देश में रिकॉर्ड बेरोजगारी दर को लेकर कांग्रेस भाजपा सरकार की आलोचना करती रही है।

संसदीय बहस एवं चर्चा की गुणवत्ता बढ़ाना जरूरी : खड़गे

मुंबई/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए संसद में बहस और चर्चा की गुणवत्ता बढ़ाने को जरूरी बताते हुए कहा है कि सहिष्णुता और स्वस्थ विचार विमर्श से लोकतंत्र को और मजबूत किया जा सकता है। श्री खड़गे ने मुंबई में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन के लिए भेजें अपने संदेश में कहा कि इस तरह के आयोजन को लोकतंत्र के लिए विशेष अवसर बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से देशभर के जनप्रतिनिधियों को एक साझा प्लेटफार्म मिलता है जहां वे अपने विचारों का आदान–प्रदान कर सकते हैं। संसदीय बहसों और चर्चाओं की गुणवत्ता और मानकों को बढ़ाने को अत्यंत आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को लोकतंत्र की चौपाल में जनता की आवाज निडर होकर उठानी चाहिए और उस पर स्वस्थ तरीके से विचार–विमर्श भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे माहौल को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए कि विचारों पर स्वस्थ बहस हो और हमारे विधायकों का सामूहिक ज्ञान हमारी नीतियों और कानूनों को जन भावना के अनुरूप आकार दे। विधायिका लोकतंत्र की आधारशिला है और उसे ही सुनिश्चित करना है कि कार्यपालिका नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनी रहे। कांग्रेस अध्यक्ष ने नागरिकों के हितों की रक्षा के वास्ते जांच और संतुलन की मजबूत व्यवस्था को जरूरी बताया और कहा कि यह व्यवस्था करना विधायकों की जिम्मेदारी है। उनका कहना था कि अपने लंबे राजनीतिक जीवन के अनुभव पर वह कह सकते हैं कि इस कार्य का निष्पादन अत्यंत परिश्रमसाध्य लेकिन महत्वपूर्ण है इसलिए हम सबको यह याद रखना जरूरी है कि लोकतंत्र केवल स्वस्थ बहस, विचार–विमर्श और चर्चा के माध्यम से ही कार्य कर सकता है। श्री खडगे ने लोकतंत्र की मजबूती के संबंध में अपने संदेश में पंडित नेहरू को उद्धश्त करते हुए कहा,"लोकतंत्र का अर्थ सहिष्णुता है। सहिष्णुता न केवल उन लोगों के लिए है जो हमसे सहमत हैं बल्कि उन लोगों के लिए भी हैं जो हमसे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा,"मेरा मानना है कि इस तरह के सम्मेलन विधायकों को सहयोग करने, एक–दूसरे के अनुभवों से सीखने और हमारे राष्ट्र की प्रगति और भलाई में योगदान करने के लिए आवश्यक हैं।

तो एक और मन की बात लेकिन 'मणिपुर पर मौन कांग्रेस ने साधा पीएम मोदी पर निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को मणिपुर की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि एक और 'मन की बात, लेकिन ''मणिपुर पर मौन हैं। मणिपुर में करीब एक महीने पहले मेइती और कुकी समुदाय के बीच भड़की जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ''तो एक और 'मन की बात लेकिन 'मणिपुर पर मौन। आपदा प्रबंधन में भारत की जबरदस्त क्षमताओं के लिए प्रधानमंत्री ने खुद की पीठ थपथपाई। पूरी तरह से मानव निर्मित उस मानवीय आपदा का क्या, जिसका सामना मणिपुर कर रहा है। रमेश ने ट्विटर पर कहा, ''अभी भी उनकी (प्रधानमंत्री) ओर से शांति की अपील नहीं की गई है। एक गैर–लेखापरीक्षा योग्य 'पीएम–केयर फंड है, लेकिन क्या प्रधानमंत्री को मणिपुर की भी परवाह है, यही असली सवाल है। इससे पहले रविवार को रेडियो पर प्रसारित 'मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का नियंत्रण नहीं है, लेकिन आपदा प्रबंधन की जो ताकत भारत ने वर्षों से विकसित की है, वह आज मिसाल बन रही है। कांग्रेस के नेतृत्व में मणिपुर के 10 विपक्षी दलों ने शनिवार को पूर्वोत्तर राज्य में जारी हिंसा पर प्रधानमंत्री मोदी की ''चुप्पी को लेकर सवाल उठाया था और प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय देने तथा शांति की अपील करने का आग्रह किया था।

जी-20 से इस इंडस्ट्री की होने वाली है चांदी, 850 करोड़ की कमाई की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत को इस साल के लिए जी–20 की अध्यक्षता है। इस कारण देश के कई शहरों में जी–20 की बैठकें हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा होटल उद्योग को होने वाला है। होटल सेक्टर को इस आयोजन से 850 करोड़ रुपए का फायदा होने की उम्मीद है और इस मौके के फायदा उठाने के लिए पूरी तरह तैयारी कर ली है। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का मानना है कि भारत में होने वाली जी–20 की बैठकों के लिए आने वाले प्रतिनिधिमंडल से संबंधित यात्रा और उनकी ठहरने की जरूरतों को पूरा कर करीब 850 करोड़ रुपए की इनकम हासिल की जा सकती है। साथ ही इस दौरान भविष्य में इस सेक्टर के ग्रोथ के लिए मजबूत नींव रखी जा सकती है। जी–20 प्रेजिडेंशियल ईयर में भारत देशभर में 59 विभिन्न स्थानों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। इसमें 20 देशों के 1.5 लाख से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। भारतीय होटल संघ के उपाध्यक्ष के बी काचरू ने बताया कि जिन शहरों में जी–20 की बैठकें निर्धारित हैं, वहां मांग तेजी से बढ़ी है। इसके साथ ही 2022 की अंतिम तिमाही से प्रमुख व्यापारिक शहरों में पांच सितारा होटलों के कमरों का किराया लगभग 20 प्रतिशत बढ़ा है। ये रुझान आने वाले महीनों में जारी रहने का अनुमान है। इस आयोजन के लिए आने वाले प्रतिनिधिमंडल से संबंधित यात्रा और आवास संबंधी जरूरतों के लिए लगभग 850 करोड़ रुपए की कमाई होने की उम्मीद है। इसलिए इसका व्यवसाय की वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ना तय है। काचरू रैडिसन होटल ग्रुप के मानद चेयरमैन और प्रधान सलाहकार (दक्षिण एशिया) भी हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व में वृद्धि के साथ ही इस क्षेत्र में रोजगार बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। आतिथ्य क्षेत्र के 5.5 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की उम्मीद है। जी–20 अध्यक्षता वर्ष में भारत देशभर में 59 विभिन्न स्थानों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। इसमें 20 देशों के 1.5 लाख से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। शैले होटल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ संजय सेठी ने कहा, 'भारत की अध्यक्षता में जी–20 शिखर सम्मेलन से देश को काफी बढ़ावा मिलेगा।' उन्होंने कहा कि इसके लाभ एक साल तक सीमित नहीं रहेंगे और इसका दीर्घकालिक प्रभाव देखने को मिलेगा।

सम्पादकीय

मणिपुर में अनवरत हिंसा!

पिछले एक माह से ज्यादा समय से पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में जिस तरह से हिंसा का तांडव चल रहा है वह रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है और ऐसा लग रहा है कि राज्य में कानून– व्यवस्था तार–तार हो चुकी है। मणिपुर अपनी मनभावन संस्कृति के लिए भारत के मैदानी इलाकों के राज्यों में भी जाना जाता है विशेषकर 'मणिपुरी नश्त्य' के लिए। मगर वर्तमान में इस राज्य के दो जातीय समूहों 'कुकी' व 'मैतेई' में जिस तरह का आपसी युद्ध चल रहा है उसकी लपटों में सरकारी सुरक्षा सैन्य बल भी झुलस रहे हैं। हद तो यह हो गई है कि प्रशासनिक व कानून–व्यवस्था कायम करने वाले बलों असम राइफल्स से लेकर रैपिड एक्शन फोर्स तक के जवानों पर भी खुल कर हमले हो रहे हैं। मणिपुर ऐसा राज्य है जिसकी राजधानी इम्फाल तो इसके मैदानी इलाके में पड़ती है परन्तु इसके पहाड़ी क्षेत्र पड़ोसी देश म्यांमार की सीमा से जाकर लगते हैं। मैदानी क्षेत्र में मैतेई जनजातीय लोगों की अधिकता है जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी जनजाति के लोगों की अधिकता है परन्तु आबादी की दृष्टि से देखा जाये तो मौतेई समाज के लोग बहुसंख्यक कहे जायेंगे, जिनमें 80 प्रतिशत से अधिक हिन्दू धर्म के मानने वाले हैं। कुकी पहाड़ों पर रहने वाले जनजातीय लोग हैं और इनमें ईसाई चर्चों का खासा प्रभाव रहा है। कुकी समुदाय के लोगों को संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत अपनी समुदायगत परंपराएं व रीति–रिवाजों को मानने की छूट के साथ ही अधिकृत जनजाति का दर्जा मिलने की वजह से अपने रिहायशी इलाके की भूमि व इसके क्षेत्र के संरक्षण का अधिकार भी संविधान देता है परन्तु पड़ोसी देश म्यांमार में भी इस जाति के कुकी लोग रहते हैं जो भारतीय कुकियों से बहुत मिलते–जुलते हैं और वे प्रायः सीमा पार करके भारतीय इलाकों में भी बसते रहते हैं। इनमें से अधिसंख्य ईसाई हैं। हालांकि मणिपुर में कभी साम्प्रदायिक भेदभाव का मुद्दा नहीं रहा। अतीत में इस समस्या पर काबू पाने में केन्द्र सरकारें सफल रहीं और किसी भी प्रकार के सशस्त्र विद्रोह से उन्होंने कुकी लोगों को अलग कर दिया। हालांकि मैतेई समाज के लोगों की कुकी समाज के साथ कभी सीधी रंजिश नहीं रही परन्तु विगत महीने राज्य के उच्च न्यायालय ने फैसला दिया कि मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने के बारे में राज्य सरकार को विचार करना चाहिए और सम्बन्धित अनुशंसा केन्द्र सरकार से करनी चाहिए। इससे मणिपुर में कुकी समुदाय के लोगों का गुस्सा चढ़ गया और मैतेई समाज भी जवाबी हिंसा पर उतारू हो गया। परिणाम यह हुआ कि पुलिस से लेकर अन्य सरकारी विभागों में कार्यरत कुकी व मैतेई समाज के लोग एक–दूसरे के खिलाफ खड़े होने लगे। यही वजह है कि जहां कुकी लोगों को मौका मिलता है वे मैतेई समाज के लोगों की हत्या कर देते हैं और मैतेई समाज के लोग ऊपर पहाड़ों पर भेजी जाने वाली सप्लाई के मार्ग में बाधा खड़ी करते हैं और हत्या करने से भी नहीं चूकते। यहां तक सुरक्षा बलों में तैनात कुकी व मैतेई लोग भी हिंसा के शिकार हो रहे हैं। पिछले एक महीने से यह सिलसिला जारी है और प्रत्येक शान्ति प्रयास विफल हो रहे हैं। कुकी लोग मैतेई समाज को जनजाति का दर्जा दिये जाने के सख्त खिलाफ हैं। उनका मानना है कि ऐसा होने से उनके पहाड़ी क्षेत्रों में भी अपेक्षाकृत सम्पन्न मैतेई समाज कब्जा कर लेगा और अपने काम–धंधे शुरू कर देगा। जनजाति का दर्जा मिलते ही मैतेई समाज के लोग पहाड़ों पर जमीन खरीदने व व्यवसाय करने के अधिकारी हो जायेंगे। कुकी समाज को यह खतरा बहुत बड़ा लगता है और वे मानते हैं कि ऐसा होने से उनकी विशिष्टता ही समाप्त हो जायेगी। जबकि मैतेई समाज भी मूल रूप से जनजाति समाज ही है हालांकि वह ज्यादा शिक्षित और सम्पन्न माना जाता है। विगत रात्रि जिस तरह से केन्द्र के विदेश राज्यमन्त्री राजकुमार रंजन सिंह के इम्फाल स्थित निवास को आग लगा दी गई। इससे एक दिन पहले राज्य के एक कैबिनेट मन्त्री के आवास की भी यही हालत की गई थी। राज्य में भाजपा व क्षेत्रीय दल एनपीपी की मिलीजुली सरकार है। यह हालत तब है जब राज्य को संविधान के अनुच्छेद 355 के तहत केन्द्रीय निगरानी में ले लिया गया है और केन्द्रीय सुरक्षा बलों को पर्याप्त संख्या में तैनात कर दिया गया है। इससे निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कुकी व मैतेई संघर्ष के चलते सारे इन्तजाम असफल हो रहे हैं क्योंकि मणिपुर के लोगों के बीच ही आन्तरिक संघर्ष और खून–खराबा चल रहा है।

कांग्रेस को राज्यों में प्रभारियों की जरूरत

कांग्रेस संगठन में बदलाव की शुरुआत हो गई है। पहला बदलाव गुजरात में हुआ है, जहां शक्ति सिंह गोहिल को अध्यक्ष बनाया गया है। उनके अलावा वर्षा गायकवाड को मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। पुडुचेरी में भी कांग्रेस ने नया अध्यक्ष बनाया है। कहा जा रहा है कि नए अध्यक्षों की नियुक्ति के साथ ही केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति होगी और राज्यों में नए प्रभारी बनाए जाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने शक्ति सिंह गोहिल की जगह गुजरात के ही नेता दीपक बाबरिया को दिल्ली और हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है लेकिन बताया जा रहा है कि यह भी अस्थायी व्यवस्था है। केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद ही स्थायी रूप से राज्यों का प्रभार बंटेगा। इस बीच कई राज्यों में अलग अलग कारणों से कांग्रेस को प्रभारियों की जरूरत है। कांग्रेस में एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत है। इसके तहत दो राज्यों में तत्काल प्रभारी नियुक्त करने की जरूरत है। तमिलनाडु के कांग्रेस प्रभारी दिनेश गुंडुराव और महाराष्ट्र के प्रभारी एचके पाटिल दोनों कर्नाटक की नई सरकार में मंत्री बन गए हैं। उनकी जगह दोनों अहम राज्यों में प्रभारी नियुक्त किया जाना है। इसी तरह पिछले साल गुजरात में कांग्रेस के बुरी तरह से हारने के बाद प्रभारी रघु शर्मा ने पद छोडने की पेशकश की थी।

युद्ध और अफ्रीकी देश

रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमला किया। इस युद्ध के जल्दी खत्म होने के कोई आसार दिखाई नहीं दे रहे। लिहाजा एक ही झटके में लड़ाई का निपटारा कर देने के नाम पर अपनी सारी ताकत झोंक देने की गलती रूस नहीं करने वाला। विश्व युद्ध या परमाणु युद्ध का रूप ले लेना इस युद्ध में असम्भव तो नहीं लेकिन ट्रिगर प्वाइंट पर अंगुली रखने की भूल रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी नहीं कर रहे। यद्यपि उन्होंने बेलारूस में परमाणु हथियार पहुंचने की घोषणा कर दी है। रूस–यूक्रेन युद्ध का असर समूचे विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। दुनियाभर में अर्थव्यवस्था का चेहरा बदल चुका है। युद्ध से विश्व दो गुटों में बंट गया है। तेल, ऊर्जा और खाद्यान्न की आपूर्ति प्रभावित होने से कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। कई देशों में खाद्यान्न संकट बढ़ता जा रहा है। सबसे ज्यादा प्रभावित अफ्रीकी देश हुए हैं। इन अफ्रीकी देशों में भूखमरी की आशंका बढ़ती जा रही है। पहले से ही गरीबी की मार झेल रहे अफ्रीकी देशों में घबराहट और परेशानी है। युद्ध के चलते यूक्रेन और रूसी अनाज निर्यात में भी काफी कमी आई है। जिस कारण संकट गहराता जा रहा है। दाने–दाने को तरस रहे अफ्रीकी देशों का प्रतिनिधिमंडल युद्ध को समाप्त करने के तरीकों की तलाश करने यूक्रेन पहुंचा हुआ है। इस प्रतिनिधिमंडल में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति शिरिन रामाफोसा और जांबिया, सेनेगल, युगांडा, मिस्त्र और कांगो के वरिष्ठ नेता और अधिकारी शामिल हैं। अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधिमंडल के यूक्रेन पहुंचते ही राजधानी कीव में रूसी हवाई हमले का सायरन बजा और विस्फोटों की आवाज सुनाई दी। इससे रूस ने यह सीधा संकेत दे दिया है कि वह युद्ध जल्द खत्म करने का इच्छुक नहीं है। यद्यपि ब्लादिमीर पुतिन ने भी अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधिमंडल से बैठक करने पर सहमति व्यक्त की है। अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की सहमति पहले ही दे दी थी और अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल ने सैंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सम्मेलन में पुतिन से मुलाकात भी कर ली है। अफ्रीकी नेताओं का उद्देश्य युद्ध समाप्त करने के लिए न केवल एक शांति प्रक्रिया शुरू करना है, बल्कि यह भी आंकलन करना है कि वे अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते रूस को उर्वरक निर्यात का भुगतान कैसे कर सकते हैं जिसकी अफ्रीकी देशों को सख्त जरूरत है।

रूस और यूक्रेन की दुनिया के कुल गेहूं निर्यात में 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। ऐसे में अपनी खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के ध्लिए जो अफ्रीकी देश विशुद्ध आयात पर आश्रित हैं वे चाहते हैं कि युद्ध जल्दी खत्म हो। उन्हें न तो गेहूं मिल रहा है, न उर्वरक और न ही अन्य वस्तुएं। एक तरफ जलवायु परिवर्तन ने पहले ही वैश्विक औसत कृषि उत्पादन को बुरी तरह प्रभावित किया हुआ है। कोरोना महामारी ने भी खाद्यान्न उत्पादन पर मार की। महामारी के समाप्त हो जाने के बाद गतिविधियों ने धीरे–धीरे जोर पकड़ा तो रूस–यूक्रेन युद्ध ने आपर्ति शृंखला को ही छिन्न–भिन्न करके रख दिया।

अफ्रीका, मध्य और दक्षिण अमेरिका के देशों में बाढ़ और सूखे से फसलों को काफी नुक्सान पहुंचा। खाद्यान्न संकट मानव जीवन से जुड़ी परिस्थितियों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है जिससे सामाजिक अशांति का खतरा बढ़ गया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, अफ्रीका में खाद्य कीमतों में ष्2020–22 में औसतन 23.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो कि 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से सबसे अधिक है। खाद्य सामग्रियों की कीमतों में हो रही लगातार वृद्धि का कई अफ्रीकी देशों पर बहुत विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। अफ्रीकी विकास बैंक (एएफडीबी) के अनुसार अफ्रीकी देश सालाना 1100 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक अनाज आयात करने के लिए 75 बिलियन डालर से अधिक खर्च करते हैं। 2020 में 15 अफ्रीकी देशों ने रूसी संघ या यूक्रेन से अपने गेहूं उत्पादों का 50 प्रतिशत से अधिक आयात किया। एएफडीबी के अनुसार रूस–यूक्रेन संघर्ष के कारण अफ्रीका महाद्वीप के देशों में लगभग 30 मिलियन टन अनाज की कमी होने की पूरी सम्भावना है और साथ ही अनाज के दामों में भी लगातार बढ़ौतरी संभावित है। इस तरह की स्थिति कई देशों की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था में उथल–पुथल मचा सकती है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब तक युद्ध समाप्त नहीं होता तब तक स्थितियों में सुधार नहीं हो सकता। युद्ध को लेकर अफ्रीकी देश भी आपस में बंटे हुए हैं। यूक्रेन से रूस की वापसी की मांग करने वाले दो संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर मतदान करने की बात आई थी तो आधे से अधिक अफ्रीकी देशों के वोट यूक्रेन के पक्ष में थे। जबकि दक्षिण अफ्रीका ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था। इसके चलते अमेरिका भी उससे नाराज हो

गया था कि उसने तटस्थ रुख क्यों अपनाया? अब देखना यह है कि रूस का अफ्रीकी देशों के प्रति क्या रवैया रहता है। अफ्रीकी नेताओं को अपने हितों की रक्षा भी करनी है। यह भी देखना होगा कि मास्को और अफ्रीका के संबंध किस करवट बैठते हैं। मानवता की रक्षा के लिए युद्ध को समाप्त करने का मार्ग तलाशना ही होगा।**–आदित्य नारायण**

आधार कार्ड पैन कार्ड जरूरी पर क्या यह निजी जिंदगी में हस्तक्षेप नहीं

हिंदुस्तान की आबादी की 140 करोड़ जनसंख्या में से 120 करोड़ जनमानस के पास है। यह आंकड़े सरकार के पास भी जो अक्सर यह संदेह पैदा करता है कि इसका कही दुरुपयोग होकर , कहीं आपके निजी जीवन में हस्तक्षेप तो नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा समस्त शासकीय सुविधाओं की प्राप्ति के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल सिम के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता लागू कर दी गई है। यह बात तो सर्वविदित है कि मोबाइल में सिम कार्ड लेते वक्त आधार कार्ड की अनिवार्यता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण तो है ही पर इसमें कभी–कभी यह आशंका भी होने लगती है कि भारत में निवास करने के लिए आधार के रूप में निजी जीवन में कहीं दखलअंदाजी तो नहीं है अथवा व्यक्ति के जीवन में उसकी निजता पर प्रहार तो नहीं है।चूंकि आधार कार्ड व्यक्ति की निजी पहचान को अपने में सम्मिलित करता है और इसकी अनिवार्यता से व्यक्ति की निजी पहचान का दुरुपयोग हो सकता है। व्यक्ति कहां क्या गतिविधियां कर रहा है यह आधार की अनिवार्यता के साथ सरकार के पास सारी जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे सरकार द्वारा अथवा डाटा संग्रहण केंद्र के माध्यम से किसी भी हैकर द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है ।जो व्यक्तिगत इच्छा के विपरीत है और यदि सरकार आधार से संबंधित आंकड़े किसी अन्य पक्ष के साथ साझा करती है तो इसके दुरुपयोग की संभावना प्रबल हो जाती है। आधार कार्ड के दुरुपयोग की दूसरी समस्या इसके राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में उपयोग किए जाने की हो सकती है। राजनीति में सत्ता पक्ष की जितनी भूमिका होती है विपक्ष की भूमिका उससे अधिक होती है। आधार कार्ड के आंकड़ों के माध्यम से कोई भी सत्ता पक्ष, विपक्ष की इस भूमिका को सीमित करने का प्रयास कर सकता है। आधार कार्ड की अनिवार्यता के साथ विपक्षी राजनेताओं के संवादों को टेप कर रणनीति का पूर्वानुमान लगाना सत्ता पक्ष की मंशा हो सकती है,इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। पर इसके कई फायदे भी हैं ,आधार कार्ड की पैन कार्ड में अनिवार्यता ने वर्षों से टैक्स की छूट ले रहे फर्जी पैन कार्ड धारकों के हितों में चोट तो की है। इससे सरकार के कर संग्रहण में बढ़ोतरी होने से योजनाओं के लिए धन आवंटन एवं भौतिक सामाजिक निवेश में वृद्धि होगी। आधार कार्ड की अनिवार्यता से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता नहीं बढ़ाया जा सकता है क्योंकि इससे सरकार के पास वास्तविक सफलता के आंकड़े भी उपलब्ध होंगे जो बेहतर नीति निर्माण के लिए सहायक भी होगी। विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि भले ही निजता का अधिकार मौलिक अधिकार हो किंतु सरकार द्वारा जनकल्याण के कार्यों के लिए उसका अतिक्रमण किया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक सरकार का प्रथम एवं अंतिम उद्देश्य लोक कल्याणकारी रूप में स्वयं को स्थापित करना है। यदि लोक कल्याण के लिए सरकार व्यक्तियों के आंकड़ों का संग्रहण करती है उसे उचित माना जाना चाहिए। शर्त यह है कि सरकार विधि सम्मत स्थापित कर दें कि उन एकत्रित आंकड़ों का दुरुपयोग कि किन्ही भी स्थिति में नहीं किया जाएगा। व्यक्ति की निजता एक अखंडनिय अधिकार है, किंतु इसकी निरंतरता के लिए सरकार का सहयोग अपनी कर्तव्यनिष्ठा का पालन भी आवश्यक है। व्यक्ति को चाहिए कि वर्तमान डिजिटल युग के खतरों को भांपते हुए निजी पहचान को किसी भी अनाधिकृत वेबसाइट अथवा व्यक्ति को देने से बचें क्योंकि निजता का वास्तविक खतरा उससे है,ना कि सरकार के आंकड़ों के संग्रहण से है। आंकड़ों की उपलब्धता सरकार के लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी है। किंतु सरकार को यह आश्वासन देना होगा कि एकत्रित आंकड़ों का किन्हीं भी परिस्थितियों में दुरुपयोग नहीं किया जाएगा और व्यक्ति की निजता पर किसी तरह की आंच आने की संभावना नहीं होगी। आज इंटरनेट हमें देख रहा है हमारी प्रत्येक गतिविधि पर नजर है, कल टीवी पर भी हमें देखेगा हमारी सूचियों की जानकारी रखेगा इससे यह लाभ होगा कि हमारा जीवन सरल हो जाएगा किंतु कीमत होगी हमारी निजता की इस पर खतरा ना हो तो सारी सुविधाएं मानवीय पहलुओं को सहायता करना ही है। आज के डिजिटल युग में हमें किसी किसी भी साइट अथवा किसी भी चौनल को अपना आधार कार्ड नंबर तुरंत नहीं बताना चाहिए इससे साइबर अपराध को बढ़ोतरी मिलती है एवं धन हानि की संभावना ज्यादा होने लगेगी।**–संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

कब मिलेगा न्याय पता नही ?

आज केवल उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में लंबित मुकदमों को ही देखें तो उनकी संख्या लाखों में दिखती है। अगर जिला और अधीनस्थ अदालतों में भी लंबित मुकदमों की गिनती कर लें तो यह संख्या करोड़ों में पहुंच जाती है। यह बहुत सुखद स्थिति नहीं है। एक दो नही बल्कि हजारो ऐसे मामले में जिसमें न्याय की आस में फरियादियों की जान चली गई लेकिन उन्हें न्याय नही मिल पाया। लोगों को समय पर न्याय न मिल पाना भारतीय लोकतंत्र एवं गणतंत्र की एक बड़ी खामी है। संविधान सभा में न्यायपालिका को सर्वोच्च सम्मान और स्वतंत्रता देते हुए जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद, राधाकृष्णन, भीमराव आंबेडकर अदि ने जो उद्गार व्यक्त किए थे उनका सारांश यही था कि हमारे न्यायाधीश न केवल उच्च कोटि वाले, वरन सर्वोत्तम बौद्धिक क्षमता और न्याय प्रक्रिया में तटस्थ और किसी से न डरने वाले होंगे। वे न्याय देने में न केवल शीघ्रता, बल्कि निष्पक्षता का परिचय भी देंगे। वे भारतीय परंपरा की उस गरिमा को कायम रखेंगे जिसमें न्यायाधीश को ईश्वर का अंश माना गया है। हालांकि कार्यपालिका की ओर से न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिश पंडित नेहरू के समय से ही शुरू हो गई थी, लेकिन जब कभी उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पसंद और नापसंद के हिसाब से नियुक्तियां करनी चाहीं तो वह सफल नहीं हो पाए। इसकी वजह थी तत्कालीन न्यायाधीशों का उदात्त चरित्र और अपने साथियों के प्रति मान–सम्मान का भाव। जब भी किसी न्यायाधीश की वरिष्ठता की अनदेखी कर किसी अन्य न्यायाधीश को आगे बढ़ने की पहल हुई, सभी ने एक स्वर में उसका विरोध किया। पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट ने 15 जून को उच्च न्यायालयों में मामलों, विशेष रूप से आपराधिक अपीलों के लंबित होने पर दुख व्यक्त किया, क्योंकि यह एक हत्या के दोषी की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जबकि उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ उसकी अपील इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। एनजेडीजी के गत दिवस जारी किए गए आंकड़े के अनुसार, पूरे भारत में जिला और तालुका अदालतों में लंबित कुल 32.9 मिलियन मामलों में से 8.5 फीसदी, या 2.8 मिलियन, 10 से अधिक वर्षों से बने हुए हैं, जो दैनिक रूप से अपडेट किया जाता है और लंबित मामलों के समेकित आंकड़े प्रदान करता है। 500,000 से अधिक, या जिला और तालुका स्तर पर लंबित मामलों का 1.5:, दो दशक से अधिक पुराने हैं, जबकि 85,141 मामले तीन दशकों से अधिक समय से अनिर्णीत हैं। लंबित मामलों के मामले में जिला अदालतों का प्रदर्शन उच्च न्यायालयों से बेहतर है। देश भर के 25 उच्च न्यायालयों के समक्ष 4. 7 मिलियन से अधिक मामले लंबित हैं। उनमें से, 920,000 से अधिक मामले, या 19.26:, 10 से अधिक वर्षों से और 158,000 (3.3:) 20 से अधिक वर्षों से और 46,754 तीन दशकों या उससे अधिक समय से लंबित हैं। उत्तर प्रदेश, भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, जिला और तालुका अदालतों में 10 से अधिक वर्षों से लंबित 2.8 मिलियन मामलों में से 40: और 20 से अधिक वर्षों से पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे 500,000 में से 43: के लिए जिम्मेदार है। 30 से अधिक वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर लंबित 85,141 मामलों में से 40: या 34,000 उत्तर प्रदेश में हैं। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उच्च न्यायालयों में सबसे अधिक लंबित मामले हैं। उच्च न्यायालयों में 10 से अधिक वर्षों से लंबित 920,000 मामलों में से यह 30: या 276000 है। उच्च न्यायालयों में 20 वर्षों से पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे 55: से अधिक मामले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में लंबित हैं। तीन दशक पुराने मामलों की बात करें तो यह प्रतिशत 86 (46,754 में से 40,374) है। इसके पीछे जो मुख्य कारण सामने आए उनका आकलन तत्कालिन कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में बता चुके है उनके अनुसार देश के अंदर हाईकोर्ट के जज के लगभग 30 प्रतिशत पद खाली हैं. उच्च न्यायालयों में 1114 जजों की स्वीकृत संख्या है और वर्तमान में 780 पद भरे हुए हैं जबकि 334 पद खाली हैं। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालयों में 334 पदों के लिए हाईकोर्ट कॉलेजियम की 118 सिफारिशें चरणों में हैं, जबकि सरकार को अभी तक 216 वेकेंसी के लिए सिफारिशें नहीं मिली हैं। लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि 10 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में कोई पद खाली नहीं था. 25 उच्च न्यायालयों में 1,114 न्यायाधीशों की स्वीकृत हैं, जिसमें 780 न्यायाधीश काम कर रहे थे जिसमें 334 की कमी है। उन्होंने कहा था कि वर्तमान में उच्च न्यायालय द्वारा अनुशंसित कुल 118 प्रस्ताव हैं। वैसे तो नए कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के इस कथन से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि लंबित मुकदमों का निपटारा सरकार की पहली प्राथमिकता है। इस तरह की बातें न जाने कब से हो रही हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। दशकों से इस तरह के आश्वासनों के बाद भी लंबित मुकदमों का बोझ कम होने के बजाय बढ़ता चला जा रहा है। एक आंकड़े के अनुसार इस समय देश भर की अदालतों में चार करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित हैं। एक लाख से अधिक मामले ऐसे हैं, जो तीन दशक से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। ये मामले सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक में हैं। देश में लंबित मुकदमों के निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था बन पा रही है और न ही वर्तमान मामलों के तेजी से निष्पादन का कोई तंत्र विकसित किया जा पा रहा है। इसी कारण यह उक्ति चरितार्थ हो रही है कि न्याय में देरी अन्याय है। इस अन्याय से सभी परिचित हैं, लेकिन त्वरित न्याय के लिए कोई ठोस पहल नहीं हो पा रही है। निराशाजनक यह है कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के लोग न्यायिक तंत्र में सुधार की बातें करके कर्तव्य की इतिश्री करते रहते हैं। आखिर लंबित मुकदमों को लेकर जताई जाने वाली उस चिंता का क्या मूल्य–महत्व, जिसका कोई समाधान होता हुआ न दिखे ? अब जब नए कानून मंत्री यह कह रहे हैं कि लंबित मामलों का निपटारा सरकार की पहली प्राथमिकता है, तब उन्हें इस तथ्य को ओझल नहीं करना चाहिए कि सबसे बड़ी मुकदमेबाज तो खुद सरकारें हैं। क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि सरकारें अपने ही लोगों से अदालतों में मुकाबला करें ?यह ठीक है कि कानून मंत्री ने इस बात को स्वीकारा कि विभिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के जो 328 पद रिक्त हैं, उन्हें भरने के लिए सरकार सक्रिय है, लेकिन प्रश्न यह है कि इतने अधिक पद समय रहते क्यों नहीं भरे जाते ? जब उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरने का काम तेजी से नहीं हो पाता तो फिर कोई भी यह समझ सकता है कि निचली अदालतों में रिक्त पदों को भरने में कितनी देरी होती होगी ? समस्या यह है कि यदि रिक्त पदों को भर दिया जाए तो भी बात बनने वाली नहीं, क्योंकि उन कारणों का निवारण नहीं किया जा पा रहा है, जिनके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम रहता है। चूंकि मामलों का निपटारा समय पर नहीं होता, इसलिए आम आदमी समस्याओं से घिरने के बाद भी अदालतों का रुख करने से बचता है। यह चिंताजनक है कि न्यायिक तंत्र की शिथिलता के चलते लोग अदालतों का दरवाजा खटखटाने से बचें। यह स्थिति लोगों को न्याय से वंचित करने, देश की प्रगति को थामने और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली है। चिन्ताजनक बॉत यह कि देश में अप्रत्यक्ष रूप से ताकतवर, राजनैतिक हस्तियों एवं अर्थतंत्र ने भी देश की कानून व्यवस्था और न्याय व्यवस्था को कमजोर करने में कोई कसर नही छोड़ी है। ऐसे में देश में आमजन मानस को न्याय कब मिलेगा इसकी कोई गारन्टी नही है।**–प्रेम शर्मा**

हीट वेव’ बताने वाले सीएमएस दिवाकर सिंह पर गिरी गाज

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले, दो सदस्यीय दल मौत के कारणों का लगायेगा पता

लखनऊ। बलिया में सिलसिलेवार हो रही लोगों की मौत के कारणों का प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है । इसके लिए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सख्त रूख अख्तियार करते हुए रविवार को जांच के आदेश जारी कर दिये हैं। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों का दो सदस्यीय दल प्रभावित इलाके में भेजा गया है। यह दल पूरे मामले की सिलसिलेवार जाँच करेगा। इलाज व लक्षणों का आंकलन होगा। वहीं मरीजों की मौत पर हीट वेव जैसे बयान देने वाले जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिवाकर सिंह को पद से हटा दिया गया है। इनके स्थान पर बलिया जिला अस्पताल के सर्जन डॉ. एके यादव को जिम्मेदारी सौंपी है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बलिया में लोगों की असमय मौत पर गंभीर चिंता और दुरूख व्यक्त क रते हुए कहा कि लोगों की किन कारणों से मृत्यु हुई है, इसका पता लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग में निदेशक संचारी रोग डॉ. एके सिंह और निदेशक (उपचार) डॉ. केएन तिवारी को स्थल पर भेजा गया है। विशेषज्ञ मृतकों की संख्या, कारण और कई पहलुओं की पड़ताल करेंगे। इसके अलावा यह जांच टीम बलिया जिला अस्पताल में मरीजों की भर्ती, इलाज आदि की व्यवस्था भी देखेंगे। इस पर डिप्टी सीएम ने साफ कहा है कि जाँच रिपोर्ट व लक्षण का आंकलन किए बगैर मौत की वजह तय नहीं की जा सकती है। विशेषज्ञ पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी। फिलहाल सभी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। डॉक्टर और कर्मचारियों को ड्यटी पर मुस्तैद रहने व एक–एक मरीज की निगरानी के निर्देश दिये गये हैं।

डिप्टी सीएम ने सभी सीएमओ और सीएमएस को किया एलर्ट

भर्ती मरीजों का हाल जानने के लिए वार्डो में अधिकारी नियमित क रें राउंड

लखनऊ। प्रंचड गर्मी के बढते प्रभाव को देखते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के जिलों के सीएमओ और सीएमएस को एलर्ट मोड में रहने के लिए निर्देशित किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि हीट वेव व गर्मी से होने वाली बीमारियों का सरकारी अस्पतालों में इलाज की पुख्ता व्यवस्था है। डॉक्टर की सलाह, जाँच से लेकर दवा तक मुफ्त मुहैया कराई जा रही है। डॉक्टर लक्षण व जाँच कर बीमारियों की पहचान करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही न बरती जाये। लक्षण महसूस होने पर रोगी तुरंत सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी में आयें। ब्रजेश पाठक ने रविवार को हीट वेव को लेकर कहा कि सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी व रेडियोलॉजी जाँचें 24 घंटे हो रही हैं। इमरजेंसी का संचालन भी हो रहा है। मरीजों को सभी दवायें सरकारी अस्पताल में मुफ्त मुहैया कराई जा रही हैं। डॉक्टर मरीजों को अस्पताल की ही दवायें लिखें ताकि मरीजों को दवा के लिए भटकना न पड़े। अस्पताल के अधिकारी दवाओं का स्टॉक मैनटेन कर लें। ग्लूकोज, बुखार, पेट दर्द, एंटीबायोटिक, ओआरएस घोल के पैकेट समेत दूसरी दवाओं का पर्याप्त स्टॉक जुटा लें। उन्होंने कहा कि हीट वेव समेत गर्मी से होने वाली दूसरी बीमारियों के इलाज की व्यवस्था की मैं खुद मॉनीटरिंग कर रहा हूँ। सभी अधिकारियों को अलर्ट कर दिया गया है। अधिकारी अस्पतालों में जाकर व्यवस्थाये देखें। वहीं सीएमएस व अधीक्षक सुबह शाम वार्डों का राउंड लें और गर्मी से होने वाली बीमारियों के मरीजों का ब्यौरा उपलब्ध करायें। वार्डों में पंखा, कूलर, एसी, ठंडे पानी के लिए वॉटर कूलर को रोज देखें। गड़बड़ी होने पर तुरंत दुरुस्त करायें। बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था भी रखें। रोगी कल्याण समिति के बजट का इन कामों में इस्तेमाल कर सकते हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि इसमें किसी भी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

गांव सहित जिले का नाम किया रोशन, परिवार में खुशी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बिसवां नगर (सीतापुर)। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती कहावत को चरितार्थ कर दिखाया जनपद की बिसवां तहसील के बालक मो० इमरान अंसारी ने। उन्होंने लगातार तीसरे अटेम्प्ट में अच्छे अंकों से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा पास कर पूरे देश में 3236 रैंक हासिल की। उसकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव, क्षेत्र ही नहीं वरन् तहसील और जिले का नाम रौशन किया है। जबसे परीक्षा फल आया है पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। बताते चलें कि मो० इमरान अंसारी जहांगीराबाद ग्राम पंचायत के फरदापुर गांव के रहने वाले हैं। यह चार भाइयों में सबसे छोटे हैं। मंझले भाई मो० शादाब अंसारी ने भी वर्ष 2018 में एमबीबीएस में प्रवेश लिया था। जो इस समय आजमगढ़ मेडिकल कॉलेज में अपनी इंटरशिप पूरी कर रहे हैं। मो० इमरान अंसारी ने कुल बीस वर्ष की आयु में एमबीबीएस में प्रवेश कर लिया यह भी जिले का गौरव है। मो० इमरान अंसारी ने बताया कि उनके पिता मो० सलीम अंसारी एक परचून की दुकान चलाते हैं। घर में थोड़ी सी भूमि है उसी के सहारे परिवार चलता है। मां गृहणी हैं उन्होंने कहा कि व्यक्ति अगर निश्चय कर ले तो वह हर कार्य को कर सकता है। हमेशा कोशिश में लगे रहना चाहिए अड़चनें चाहे जितनी आयें, घबराना नहीं चाहिए, निरन्तर प्रयास करना चाहिए क्योंकि कहा भी गया है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। जब उनसे पूछा गया कि आप इस उपलब्धि का श्रेय किसे देना चाहते हैं तो उन्होंने बहुत सटीक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरी प्रारम्भिक शिक्षा जहांगीराबाद स्थित श्री राम मनोहर श्रीवास्तव स्मारक विद्यालय में हुई। वहीं से मिले संस्कारों को लेकर मैं आगे बढ़ा और इण्टर मीडिएट तक की पढ़ाई बिसवां के श्री हनुमत रामेश्वर दयाल इण्टर कॉलेज में प्राप्त कर लखनऊ में रहकर कोचिंग ली। वहां पर भी मुझे शिक्षकों का भारी सहयोग और मार्ग दर्शन भी मिला। जो हमारे लिए प्रेरणा बना इसके अलावा मेरे अब्बू, अम्मीजान व भाई–बहन से भी काफी प्यार और हिम्मत मिली। जिसके सहारे मैं आज इस मुकाम पर पहुंचा हूं। मैं एक कुशल चिकित्सक बनकर समाज के हर वर्ग की सेवा करना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि कि मुझे अपने माता पिता गुरुजनों पर गर्व है। जिनके सहारे तीसरी बार में मैंने नीट क्वालीफाई किया है। बड़ा भाई मो० जावेद भी बीयूएमएस कर फरदापुर गांव के चौराहे पर लोगों की सेवा कर रहा है। दूसरा भाई मो० शादाब अंसारी एमबीबीएस डाक्टर हो गया है।

संक्षिप्त खबरे

सूने घर से चोरी, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। थाना अलीगंज क्षेत्र में चोरो ने एक सूने घर को निशाना बनाते हुए कीमती जेवर व डेढ़ लाख की नकदी साफ कर दिया। पीड़ित पंकज कुमार अवस्थी पुत्र स्व. ओमप्रकाश अवस्थी निवासी सी–38 सेक्टर ई थाना अलीगंज द्वारा बताया गया कि 10जून को सपरिवार अपने गांव गये थे। 17 जून को समय करीब 5.30 बजे शाम वादी जब वापस अपने घर आये तो देखा कि घर के सभी दरवाजे खुले हुए है और अंदर जाकर देखा तो आलमारी व लॉकर के सभी ताले टूटे हुए थे और उसमे रखे सोने चांदी के कीमती जेवरात व विदेशी मुद्रा व 1.5 लाख रुपए नकद को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल करने के बाद चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

निर्ममता के साथ की पत्नी की हत्या

लखनऊ। आशियाना थानाक्षेत्र में अवैध संबंध के शक में एक युवक ने अपनी पत्नी को ईट–पत्थर मारकर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजने के बाद हत्यारोपित पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। महिला अपनी मां और पति के साथ पारा में किराये के कमरे में रह रही थी। इस वारदात के चौबीस घंटे नहीं बीते कि गोमतीनगर में चाकुओं से गोदकर छात्र की हत्या कर दी गई। इस प्रकार से राजधानी के अंदर पुलिस एक हत्या का खुलासा करके फुर्सत नहीं पा रही है कि दूसरी हत्या हो जा रही है। राजधानी में लगातार हो रही हत्या से यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपराधियों के हौंसले किस तरह से बुलंद है। अपराधी दिन दहाड़े हत्या करके फरार हो जा रहे है और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लग पा रही है। गोमतीनगर में भी छात्र की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई और पुलिस अभी तक हत्यारोपियों को पकड़ नहीं सकी। जबकि इसमें हत्या करने वाले आरोपी का नाम पता व कहां के रहने वाले हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में लटकता मिला विवाहिता का शव

पहला (सीतापुर)। थाना सदरपुर क्षेत्रांतर्गत रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता का शव कमरे में पंखे में लटका होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। परिजनों द्वारा इसकी सूचना सदरपुर पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची सदरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया। मिली जानकारी अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम देवरिया मजरा बिलौरी नानकारी निवासी 28 वर्षीय शालिनी मौर्य पत्नी पीयूष मौर्य का संदिग्ध शव संदिग्ध अवस्था में कमरे में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची सदरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया। वहीं मृतका के भाई राजकुमार मौर्य निवासी भगौतीपुर मजरा मल्लपुर थाना रामपुर मथुरा द्वारा अपनी बहन की हत्या करने के आरोप में मृतका के पति पीयूष तथा ससुर विजय कुमार ने नाम हत्या कर शव लटकाने के आरोप लगाकर सदरपुर थाना ने तहरीर दी है। वहीं राजकुमार का आरोप है कि आज मेरा भाई मृतका की बिदाई करवाने गया था। मगर पति व ससुर ने नहीं भेजा तथा दहेज को लेकर मारपीट की। जिससे उसके सिर में काफी चोट लग गई और काफी खून बह गया था और वह लोग उसे एक प्राइवेट अस्पताल भी दिखाने ले गए थे। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष सदरपुर अजय कुमार रावत ने बताया कि तहरीर मिली है। शव को अंत्य परीक्षण हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सूचना पर मौके पर नायब तहसील दार शिवप्रकाश यादव तथा क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद ने भी मौके का मुआयना किया।

चुनावी रंजिशन तोड़ी गई गुमटी दुकान

लालगंज,रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी के सेक्टर संयोजक सुनील मिश्रा पुत्र चंद्रदेव मिश्रा की गुमटी दुकान को चेयरमैन के आदेश पर सफाई नायक ने बुलडोजर से ढहा दिया है। मामले की शिकायत करने थाने पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष आशुतोष शुक्ला, महामंत्री मनोज अवस्थी ने बताया कि नगर पंचायत के द्वारा भाजपा कार्यकर्ता की गुमटी ढहा दिया जाना बहुत ही निंदनीय कार्य है। गुमटी टूट जाने से उसकी रोजी–रोटी चली गई है। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता के लिए हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ी जाएगी। कांग्रेश चेयरमैन के द्वारा की गई कार्यवाही निश्चित रूप से बदले की कार्यवाही है । वही सुनील मिश्रा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया है कि शनिवार को चुनावी रंजिशन नगर पंचायत चेयरमैन के फरमान पर सफाई नायक ने उनकी गुमटी ढहा दी है। जब कि अन्य लोगों की गुमटी दुकानें रखी हुई है। सिर्फ मेरी गुमटी भाजपा कार्यकर्ता होने के नाते हटाई गई है। सुनील मिश्रा ने कहा कि अगर उनकी तोड़ी गई गुमटी बनवाई नहीं गई तो आंदोलन करने को बाद होंगे। मामले के बाबत सफाई नायक रामकरन ने कहा कि सफाई के दौरान गुमटी हटाई जा रही थी ।गुमटी कमजोर थी जिस से टूट गई। पुलिस ने सुनील मिश्रा को न्याय का भरोसा दिलाया है।

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत

ऊंचाहार,रायबरेली। प्रतापगढ़ जनपद के नवाबगंज बाजार में कार की टक्कर से सड़क पार कर रहा बुजुर्ग गम्भीर रूप से घायल हो गया, परिजनों द्वारा उसे ऊंचाहार सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद स्थानीय पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है। प्रतापगढ़ जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के पीरानगर निवासी रज्जन 65 वर्ष शनिवार की देर शाम नवाबगंज बाजार के पास सड़क पार कर रहा था तभी कार ने उसे टक्कर मार दी, जानकारी मिलने पर परिजनों द्वारा उसे सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि मृत अवस्था में बुजुर्ग को सीएचसी लाया गया था। नवाबगंज थाना प्रभारी अमर सोनी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है, अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पारिवारिक विवाद में मां ने बेटे संग जलकर दी जान,बेटी की हालत गंभीर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के सरवा टप्पा गांव के मजरा घनश्यामपुर की महिला ने पारिवारिक विवाद में बच्चों के साथ कमरा बंद कर आग लगा ली। इससे मां–बेटे की मौत हो गई। जबकि बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। सूचना पर पहुंचे अफसरों ने गंभीर हालत में मासूम बच्ची को अस्पताल भिजवाया। फोरेंसिक टीम के साक्ष्य संकलन करने व अधिकारियों की छानबीन के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए।

घनश्यामपुर गांव निवासी जसवंत की शादी दस साल पहले कुठर्रा थाना फफूंद,औरैया की सुनीता के साथ हुई थी। जसवंत के नशे का आदी होने के कारण घर में अकसर विवाद होता रहता था। शनिवार रात पति–पत्नी में विवाद होता रहा। इसके बाद सुनीता (30) पुत्री अर्पिता (6) व पुत्र अर्पित उर्फ हर्षित (3) को लेकर कमरे में गई। वहां केरोसिन डालकर आग लगा ली। धुआं निकलने व् बच्चों की चीखें सुनकर बगल में रहने वाले जसवंत के भाइयों व पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़कर उनको निकाला। सुनीता व अर्पित की मौत हो चुकी थी। मामले में देवर अंकित ने उसके मायके के साथ ही पुलिस को सूचना दी। जानकारी पर सीओ सदर एके सिंह,थाना प्रभारी रूरा समर बहादुर यादव फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे और बुरी तरह झुलसी अर्पिता को उपचार के लिए भेजा। सूचना पर भाई अनोज ने सुनीता की जलाकर हत्या करने का आरोप लगाया। अधिकारियों की छानबीन के साथ ही फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किये। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि पारिवारिक विवाद में घटना की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने व परिजनों की तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई होगी।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

कानपुर। घाटमपुर में शनिवार देर रात एक बुजुर्ग किसान देर रात घर पर लगे सबमर्सिबल को चालू कर रहे थे,तभी उन्हें करंट लग गया, जिससे बुजुर्ग की मौके पर मौत हो गई। हालांकि परिजन बुजुर्ग को आनन फानन घाटमपुर सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सजेती थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव निवासी दुलारे सविता (60) खेती किसानी करते थे। दुलारे सविता के चार बेटे अरविंद,काका,धर्मेंद्र और सुधीर हैं। बेटे काका ने बताया कि वह बीती रात रिश्तेदारी कि शादी समारोह मे शामिल होने अपने बड़े भाई अरविन्द के साथ घाटमपुर नगर स्थित एक गेस्ट हाउस गए थे। घर पर छोटा भाई धर्मेंद्र और सुधीर एवं उनकी पत्नी थे। देर रात बिजली आने पर बुजुर्ग दुलारे सविता घर पर लगे सबमर्सिबल का स्विच ऑन कर रहे थे, तभी अचानक उन्हें करंट लग गया।

काकोरी में युवक, पारा में किशोरी फांसी पर झूली

पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा

लखनऊ(आरएनएस) । राजधानी के दो अलग–अलग थानाक्षेत्र में एक युवक और एक किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। दोनों के खुदकुशी करने का कारण पता नहीं चल पाया है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पहली घटना थाना काकोरी क्षेत्र से है। रामनरेश पुत्र कुंजबिहारी निवासी– जलियामऊ थाना काकोरी पुलिस को सूचना दिया कि शनिवार की रात्रि में उनके पुत्र सचिन प्रजापति उम्र करीब 21 वर्ष ने बरामदे में लगी सरिया में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

इस सूचना पर एसआई राजू सागर ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जिनके द्वारा बताया गया कि मृतक सचिन प्रजापति उपरोक्त सिलाई का करता है एवं मृतक अविवाहित था। दूसरी घटना थाना पारा क्षेत्र से है। विकास सिंह पुत्र स्व. कुवर प्रताप सिंह निवासी– डूडा कालोनी डिप्टी खेड़ा थाना पारा पुलिस को सूचना दिया कि शनिवार को सुबह में वह जब सोकर उठे तो देखा कि उनकी पुत्री शिवांशी सिंह उम्र करीब 13 वर्ष ने कमरे में छत के पंखे में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस सूचना पर महिला एसआई रीना वर्मा ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। जिनके द्वारा बताया गया कि मृतका शिवांशी सिंह उपरोक्त ने इसी वर्ष कक्षा–8 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। रात में पिता ने किसी बात को लेकर डांट दिया था। बस केवल इतनी बात पता चल पायी है।

इसके अलावा परिजन कुछ बता नहीं पा रहे है। सुबह परिजन जब उठे तो दरवाजा नहीं खुला तो फोन मिलाया वह भी नहीं उठा तो खिड़की खोलकर देखा तो शिवांगी फांसी पर लटकी हुई थी।

पुलिस लाइन में हेड कांस्टेबल की मौत:फादर्स डे पर बेटे के सिर से पिता का साया छिना

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। कानपुर की पुलिस लाइन में एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। आशंका है कि गर्मी के चलते पुलिस कर्मी ने दम तोड़ दिया। साथी ने काफी देर से कोई हरकत नहीं होने पर हिला कर देखा तो पता चला कि शरीर ठंडा पर गया है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अस्पताल से डॉक्टरों को बुलाया गया। जांच के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से झांसी मोठ के रहने वाले बृजराज सिंह यादव (58) यूपी पुलिस में हेड कांस्टेबल थे। मौजूदा समय में उनकी तैनाती ट्रैफिक पुलिस लाइन में थी। वह पुलिस लाइन की बैरक में रहते थे, साथी अभिलाष सिंह ने बताया कि रविवार सुबह कोई हरकत नहीं होने पर उन्हें कुछ शक हुआ। पहले आवाज लगाई और फिर हाथ लगाकर देखा तो शरीर ठंडा पड़ चुका था। उन्होंने फौरन इसकी जानकारी आरआई को दी। आनन–फानन में कांस्टेबल को पुलिस अस्पताल ले गए। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। काकादेव में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बेटे संदीप यादव को पुलिस लाइन से जानकारी दी गई। इसके बाद मां ममता देवी, बेटी अंकिता और बड़ा बेटा दीपक समेत परिवार के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। बैरक में कूलर और पंखा कोई भी इंतजाम नहीं कांस्टेबल की मौत के बाद परिवार पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा। बेटे संदीप ने बताया कि बैरक में कूलर और पंखा कोई भी इंतजाम नहीं था। पुलिस की बदइंतजामी ने फादर्स डे पर पिता को छीन लिया। गर्मी से मौत की आशंका जताई जा रही है। इस बात को लेकर पुलिस महकमे में भी आक्रोश है। कूलर, पंखा और पीने के लिए ठंडे पानी का इंतजाम तक नहीं है।

पुलिस लाइन में हेड कांस्टेबल की मौत के बाद पुलिस कर्मी भड़क गए। उनका कहना था कि बैरक में कूलर–पंखा और ठंडे पानी तक का इंतजाम नहीं है। भेड़–बकरियों की तरह सिपाहियों को रखा जाता है। भीषण गर्मी में भी उनसे परेड कराई जाती है। इतना ही नहीं असमय ड्यूटी और अव्यवस्थित खान–पान सिपाहियों में बीमारी और मौत की वजह है।

बिजली कटौती से लोग परेशान कर रहे रतजगा

रायबरेली। शहर हो या फिर ग्रामीण इस समय बिजली की धुआंधार कटौती को लेकर हर तरफ हो हल्ला मचा हुआ है। कारण शेड्यूल से काफी कम बिजली आपूर्ति हो रही है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को गर्मी से निजात नहीं मिल पा रही है। वहीं पसीने से तर बतर होने के साथ ही लोग जागकर रात गुजारने को विवश हो रहे हैं। वहीं जिम्मेदार सब कुछ जानकर चुप्पी साधे हुए हैं। जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी व चिलचिलाती धूप से जहां लोग बेहाल हैं, वहीं बिजली की बेतहाशा कटौती और लो–वोल्टेज की समस्या लोगों को रूला दे रही है। अंधाधुंध विद्युत कटौती व भीषण गर्मी में लोग उबले जा रहे हैं। सुबह जैसे ही सूर्य की किरणों का तेज बढ़ता है वैसे ही बिजली भी अपना रंग दिखाना शुरू कर देती है। लोगों को गर्मी में कही भी आराम नहीं मिल रहा है। अंदर रहे तो गर्मी से बेहाल, बाहर रहे तो लू लगने का डर। इतना ही नहीं अगर बिजली आई भी तो वोल्टेज की समस्या। लो–वोल्टेज के कारण कूलर, पंखा भी बेकार साबित हो रहा है।

तालाब मनुष्य के लिए खेती किसानी के लिए बहुत ही उत्तम साधन

पहला (सीतापुर)। ब्लॉक पहला के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में लगभग 300 के आसपास तालाब थे जिनका अस्तित्व खतरे में है। गौरतलब हो तालाबों का अस्तित्व तब से है जब से मनुष्य का अस्तित्व है। तालाब मनुष्य के लिए खेती किसानी के लिए बहुत ही उत्तम साधन है। भूमि जल स्तर को बनाए रखने के लिए भी तालाब की बहुत महत्वपूर्ण उपयोगिता है। आज से 25–30 साल पहले तालाब गांव की संपत्ति हुआ करता था। गांव वाले बरसात के पहले तालाब से मिट्टी निकालते थे और उस मिट्टी का प्रयोग अपने घरों में करते थे। जिससे तालाब की गहराई हो जाती थी और मनुष्य की जो आवश्यकता है मिट्टी की वह भी पूरी हो जाती थी। फिर बरसात आने पर चारों तरफ से बरसात का पानी तालाब में आता था। जिससे तालाब का पानी धीरे–धीरे नीचे पृथ्वी के गर्भ में जाता था। जिससे हमारा जलस्तर बहुत अच्छा रहता था और वर्ष भर खेती किसानी के लिए प्रचुर मात्रा में पानी उपलब्ध रहता था। जलस्तर बढ़िया हो जाने के बाद भी तालाब में पानी रहता था। जिससे हमारे गांव के पालतू जानवर उन तालाबों से पानी पीते थे उन तालाबों में नहाते थे। गांव के बच्चे भी तालाब में तैराकी करते थे एक प्रकार से तालाब मनोरंजन का साधन भी था और उसकी बड़ी उपयोगिता थी। गांव में तालाब में पंपिंग सेट लगाकर भी खेत की सिंचाई की जाती थी। फिर एक समय ऐसा आया सरकार की कुदृष्टि तालाबों पर पड़ी और तालाब सरकारी संपत्ति हो गये। उन तालाबों पर किनारे की मिट्टी निकाल करके उनकी ऊंची ऊंची मेड़बंदी की जाने लगी चारों तरफ से तालाब की मेड़बंदी की जाती है। सिर्फ दिखावे के लिए एक तरफ पाइप लगाया जाता है कि बरसात का पानी इस पाइप के माध्यम से तालाब में जाएगा। लेकिन ऐसा होता नहीं है और तालाब की गहराई नहीं बढ़ाई जाती है और मेड़ बंदी से चारों तरफ का पानी अंदर नहीं आ पाता है। जिससे हमारा जलस्तर वह नीचे जा रहा है। अप्रैल मई के माह में जल स्तर इतना नीचे हो जाता है कि खेत सिंचाई के लिए पंपिंग सेट भी पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं दे पाते हैं। गांव वाले अपनी आवश्यकतानुसार तालाब से मिट्टी भी नहीं ले सकते हैं।

24 घंटे के अंदर लखनऊ में दूसरी हत्या, सहमे लोग

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में एक छात्र की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। छात्र के गले, सिर और शरीर पर चाकू के निशान मिले है। वह दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए दोस्त के घर आया हुआ था। जहां पर सभी ने शराब की पार्टी की, इसके बाद पैसों को लेकर विवाद हो गया। मामला इनता बढ़ गया कि उसके एक साथी ने चाकूओं से उसे बुरी तरह गोदकर घायल कर दिया। रात में ही आनन–फानन में अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान रविवार की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया है। आकाश कश्यप 19 वर्ष सेंट फ्रांसिस में 12वीं का छात्र था।

प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार पांडेय के अनुसार जगदीश कश्यप उर्फ मुन्ना पुत्र स्व. मैकूलाल निवासी जी–3 संजय गांधीपुरम थाना गाजीपुर लखनऊ ने थाना गोमतीनगर पर सूचना दिया कि 17 जून को समय करीब दस बजे रात्रि वादी का पुत्र आकाश अपने मित्र जय जायसवाल के साथ घर से निकला था। काफी देर रात्रि वादी के पुत्र के घर ना आने पर समय करीब एक बजे रात्रि को वादी की पत्नी ने आकाश को फोन किया तो उसने बताया कि अपने मित्र जय के साथ हूं, दस मिनट में आ रहा हूं और इसके बाद वादी व वादी की पत्नी सो गए। सुबह समय करीब पांच बजे वादी दुकान खोलने के लिए उठा तो वादी के पुत्र के दोस्त जय ने वादी को बताया कि वह लोग पार्टी करने अविनाश के घर रेलवे क्रासिंग बड़ी जुगौली गोमतीनगर गए थे। वहां अविनाश, प्रिंस, रिषभ भी मौजूद थे रिषभ ने अभय प्रताप सिंह से 1000 रुपए उधार लिए थे। जिसको वापस करने को लेकर रिषभ व अभय प्रताप सिंह में फोन पर विवाद हुआ, अभय प्रताप सिंह गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे रहा था है। अभय प्रताप सिंह द्वारा वादी के पुत्र आकाश से भी फोन पर समय करीब 1.30 बजे रात्रि में बात करते हुए गाली गलौज की गई थी। 18 जून को समय करीब 3.00 बजे प्रातरू अभय प्रताप सिंह अपने दोस्त देवांश के साथ जुगौली स्थित अविनाश के घर पहुंच गया और घर आते ही तेज धारदार चाकू से आकाश पर हमला कर दिए जब वादी का पुत्र आकाश गम्भीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया तो उसने जय को भी मारने की नियत दौड़ाया तब जय ने भागकर रेलवे के केबिन में छिपकर स्वयं को बचाया। अभय प्रताप सिंह व देवांश के जाने के

गिट्टी युक्त जर्जर टूटी सड़क पर निकलकर राहगीर हो रहे घायल

पहला (सीतापुर)। तहसील महमूदाबाद क्षेत्रांतर्गत बिसवां, महमूदाबाद, हुसैनपुर, पट्टी गांव लिंक मार्ग अत्यंत टूट गया है तथा इसकी उखड़ी पड़ी गिट्टियों से मोटरसाइकिल समेत पैदल तथा साइकिल सवार लगातार घायल हो रहे है। मगर कई बार विभिन्न समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद भी प्रशासनिक तथा जन प्रतिनिधियों का ध्यान इधर नहीं गया है। मिली जानकारी अनुसार तहसील क्षेत्र अंतर्गत मदारीपुर गांव के सामने से बिसवां मार्ग से हुसैनपुर पुल के लिए एक लिंक मार्ग करीब दो साल पूर्व बनवाया गया था। जो मानक बिहिन निर्माण होने के कारण चंद वर्षो में ही खराब हो गया तथा इसकी गिट्टियां उखड़ गई है। जिससे उस पर निकलने वाले साइकिल तथा मोटरसाइकिल सवार तथा पैदल राहगीर प्रतिदिन गिरकर घायल हो रहे है। मगर प्रशासनिक तथा जनप्रतिनिधियों की नजर आज तक उस पर नहीं पड़ी है।

प्रापर्टी डीलर हत्याकांड का पदार्फाश, चार गिरफ्तार

लखनऊ । अपराध शाखा लखनऊ, साइबर सेल, क्राइम टीम (पूर्वी व उत्तरी) एवं थाना पीजीआई की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा प्रापर्टी डीलर की हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए चार शातिर वांछित हत्यारोपी अभियुक्त गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके पास एक मोटर साइकिल व एक अवैध देशी पिस्टल .32 बोर का बरामद किया है। पूछताछ में हत्यारोपियों ने बताया कि प्लाट बिकवाने पर आठ लाख का कमीशन हो रहा था। जिसे प्रापर्टी डीलर अमित गौतम देने में आनाकानी कर रहा था। इसी को लेकर विवाद चल रहा था। अमित और आशीष यादव मिलकर काम कर रहा था। आशीष यादव का सगा भाई मनीष यादव ने अमित की हत्या की साजिश रचा। पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन हृदेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी सै. अली अब्बास, सहायक पुलिस आयुक्त कैंट अभिनव ने प्रेसवार्ता में बताया कि 12 जून की शाम को पीजीआई थाना क्षेत्र के अंतर्गत आवास विकास की आवास योजना वृंदावन की सेक्टर उन्नीस में स्थित होम सिटी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम से प्रॉपर्टी डीलिंग की कंपनी चलाने वाले अमित कुमार पुत्र ननकऊ निवासी टिकरा थाना निगोहा की हत्या अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उसके ऑफिस से जाते समय मोटरसाइकिल पर सवार होते हुए कर दी गई थी। इस संबंध में थाना पीजीआई में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस आयुक्त के निकट मार्गदर्शन में, विवेचना के क्रम में पुलिस द्वारा मृतक अमित कुमार के पार्टनर आशीष यादव व रोहित यादव से घटना के बारे में मनोवैज्ञानिक और कौशलपूर्वक निरन्तर पूछताछ की गयी। पूछताछ से स्पष्ट हुआ कि अमित कुमार ने आशीष यादव को प्लाट बिकवाने में तय कमीशन नहीं दे रहे थे इनकी उपेक्षा किये जा रहे थे तथा रोहित यादव ने भी बताया कि अमित कुमार के प्लाटिंग से दो प्लाट मैने भी बिकवाये थे। जिसमें तय हुआ था कि 500 रुपये स्क्वायर फिट से उपर जो भी यह बिकवा देगें उनका हिस्सा हो जायेगा लेकिन उपरोक्त दोनो प्लाट 600 रुपये स्क्वायर फिट बिकवाने के बाद जब कमीशन मांगे तो मृतक अमित कुमार यह कहते हुए मना कर दिया कि यह योजना समाप्त हो गयी। अब कमीशन नहीं मिलेगा जिससे रोहित यादव अमित कुमार से नाराज हो गया था।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीएम किसान सम्मान निधि, कोर्ट केस अवमानना वाद एवं अन्य योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय स्थित सभागार में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, वरासत अभियान, कोर्ट केस एवं अवमानना वाद, फैमिली आईडी की प्रगति तथा अवैध खनन एवं नियम विरुद्ध लाउडस्पीकर के खिलाफ की जा रही कार्यवाहियों सहित तहसील स्तरीय कई अन्य योजनाओं के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नेडा द्वारा जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2022–23 की कई योजनाएं अभी तक पूर्ण न होने एवं कई अन्य योजनाओं पर अभी तक कार्य प्रारंभ ना होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए पीओ नेडा एवं वरिष्ठ लिपिक का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला विकास अधिकारी को नेडा द्वारा संचालित समस्त योजनाओं हेतु टेंडर जारी करने, सामानों की आपूर्ति एवं कार्यों की प्रगति की जांच कर 1 सप्ताह के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। फैमिली आईडी के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त उप जिला अधिकारियों को खंड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। रियल टाइम खतौनी अपडेशन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अपर जिला अधिकारी को प्रतिदिन तहसीलदारों से एक खतौनी का निरीक्षण करने एवं समस्त उप जिलाधिकारियों को खतौनी का नियमित निरीक्षण कर गुणवत्ता पूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने को कहा। मोटर दुर्घटना क्लेम, पारिवारिक न्यायालय एवं अन्य न्यायालयों से प्राप्त आरसी की वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधितो के खाते सीज करने एवं उनकी अचल संपत्तियों को कुर्क कर नीलामी की कार्यवाहिया शीघ्र पूर्ण करते हुए वसूली करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने डॉ आंबेडकर उत्सव योजना, सॉलिड वेस्ट प्लांट निर्माण एवं गो आश्रय स्थलों हेतु भूमि की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए सॉलिड वेस्ट प्लांट हेतु जिन तहसीलों में जमीन उपलब्ध नहीं है,उन उप जिलाधिकारी को लिखित रूप में सूचना देने के साथ ही अधिशासी अधिकारियों को जमीन क्रय करने हेतु समस्त आवश्यक कार्यवाई करने के निर्देश दिए। कोर्ट केस एवं अवमानना वाद की समीक्षा के दौरान नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि किसी भी मामले में अवमानना वाद की स्थिति अभी नहीं है। अवैध खनन, नियम विरुद्ध लाउडस्पीकरध्डीजे के खिलाफ अब तक की गई कार्यवाहीयों की भी जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने आवश्यक निर्देश दिए। अवैध खनन के खिलाफ की जा रही कार्रवाईयों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने बिना वजह आम लोगों को परेशान न करने तथा अवैध खनन से जुड़े लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को भी कहा। आइजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण आख्या न लगने पर डिफाल्टर हो जाने की स्थिति में उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण आख्या लगाने के निर्देश दिए, जिससे डिफाल्टर की स्थिति ना आने पाए। 21 जून को विश्व योगा दिवस बनाए जाने की तैयारियों की समीक्षा के दौरान उन्होंने जनपद के प्रमुख स्थलों पर योगा दिवस आयोजन करने के साथ ही तहसील, ब्लाक एवं ग्रामीण स्तर पर भी इसके आयोजन करने के निर्देश दिए जिससे इस आयोजन में अधिक लोग प्रतिभाग कर सके।

एमआईसी में 30 लोगों ने किया रक्तदान

प्रायागराज। रोटरी क्लब ऑफ इलाहाबाद मिडटाउन और इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज (एमआईसी) में किया गया।

कॉलेज के शारिरिक शिक्षा विभाग के प्रवक्ता अकील अब्बास रिजवी के अनुसार शिविर में 30 लोगों ने स्वैक्षिक रक्तदान किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे महापौर गणेश केसरवानी ने रक्तदान करने आये लोगों का उत्साहवर्धन करते हुए धन्यवाद दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए गर्ल्स टॉयलेट उद्घाटन भी किया।

रोटरी क्लब ऑफ इलाहाबाद मिडटाउन के अध्यक्ष सौरभ पुरी और इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अरूप बनर्जी, एमआईसी के प्रबंधक फरहान उल्ला, प्रधानाचार्य ख्वाजा तारिक अहमद ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

शिविर में उप प्रधानाचार्य अब्दुर रहमान, मो. जावेद, निसार अहमद, इबादुर्रहमान, शाद सऊद के अलावा संस्था रक्त संकल्प व रॉबिन हुड आर्मी ने विशेष सहयोग दिया।

योग प्रोटोकॉल अभ्यासक्रम का आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रायागराज। राजर्षि टण्डन महिला महाविद्यालय,(संघटक इलाहाबाद विश्वविद्यालय), प्रयागराज और महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्त्वावधान में योग सप्ताह के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में ष्योग प्रशिक्षण शिविरष का आयोजन कराया गया। हमारा देश, वर्ष 2023 को 9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की तैयारी में है। अतिशय महत्त्वपूर्ण इस आयोजन के परिप्रेक्ष्य में आज महाविद्यालय परिसर में योग प्रोटोकॉल अभ्यासक्रम आयोजित कराया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ करते हुए प्राचार्या प्रोफेसर रंजना त्रिपाठी ने छात्राओं का उत्साह वर्धन किया तथा योग के महत्त्व को बताते हुए अपनी दिनचर्या में इसे शामिल करने को कहा। जिससे छात्राओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास भली भांति हो सके।

योग प्रशिक्षक डॉ प्रशान्त तिवारी, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जसरा, प्रयागराज ने नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल के उपलक्ष्य में शिविरार्थी शिक्षक, शिक्षिकाओं, कर्मचारियों और स्वयं सेविकाओं को वृक्षासन, तितली आसन, वज्रासन, ताड़ासन, पाद उत्तासन उष्ट्रासन तथा सूर्य नमस्कार के सभी चरणों सहित भ्रामरी, कपालभाति, अनुलोम विलोम, शीतली आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया। इसके साथ ही उन्होंने योग के महत्त्व पर भी प्रकाश डालते हुए योग शपथ भी दिलवाई। उन्होंने कहा कि योग हमारे शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक स्वास्थ्य का संवर्धन करता है, इसलिए हमें अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ कौमुदी श्रीवास्तव, शिक्षिका डॉ शमेनाज बानो तथा शिक्षणेतर कर्मचारी पूजा अग्रवाल के साथ साथ लगभग 40 स्वयं सेविकाओं ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरे

भाजपाइयों ने सुनी प्रधानमंत्री जी की मन की बात

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा कीडगंज कार्यालय में महापौर एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात सुनी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा प्रसारित मन की बात के कार्यक्रम से समाज को राष्ट्र के प्रति कार्य करने की एक नई राह मिली है और नई पीढ़ियों के लिए समाज और राष्ट्र के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रेरक सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात के द्वारा भारतीय संस्कृति और सभ्यता की हमारी जो पहचान है जन–जन तक पहुंचा रहे है और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए समाज के लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रयागराज महानगर के द्वारा 1297 बूथों पर मन की बात का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अवधेश चंद्र गुप्ता कमलेश कुमार, कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, मनीष केसरवानी, सुनील केसरवानी सोनू, विवेक अग्रवाल, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, प्रदीप यादव, विजय श्रीवास्तव एवं सभी बूथ अध्यक्ष गण अपने–अपने बूथों पर मन की बात को सुना।

भगवान जगन्नाथ जी की कथा श्रवण करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती हैः आचार्य मनोज

प्रयागराज। श्री जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट प्रयागराज के द्वारा और भवन में चल रही भगवान जगन्नाथ जी की कथा के चतुर्थ दिवस पर आचार्य मनोज जी ने कथा का रसपान कराते हुए कहा कि चौत्र मास में आने वाले चारों सोमवार को तिसुआ सोमवार कहा जाता है। इस सोमवार को भगवान श्री जगन्नाथ की उपासना की जाती है। पहले सोमवार को गुड़ से, दूसरे सोमवार को गुड़ और धनिया से, तीसरे सोमवार को पंचामृत से तथा चौथे सोमवार को कच्चा पक्ष्का, हर तरह का पकवान बनाकर भगवान को भोग लगाया जाता है। इसके पश्चात पूजा की जाती है। इन चारों सोमवार पर श्रद्धा के साथ व्रत रखने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है।

उन्होंने कहा कि मान्यता है कि सुदामा ने सबसे पहले भगवान श्री जगन्नाथ का पूजन किया था। पूजन के लिए सुदामाजी जगन्नाथ धाम गए। रास्ते में कई पीड़ितों को आश्वासन दिया कि भगवान श्री जगन्नाथ के दरबार में उनके सुख के लिए मन्नत मांगेंगे। बताया जाता है सुदामा की श्रद्धा देखकर भगवान जगन्नाथपुरी के बाहर एक ब्राह्मण के भेष में खड़े हो गए। सुदामा ने ब्राह्मण से जगन्नाथ धाम का पता पूछा तो भगवान ने बताया कि उनके पीछे जो आग का गोला है उसमें प्रवेश करने के बाद ही भगवान के दर्शन होंगे। सुदामा आग के गोले में प्रविष्ट होने के लिए बढ़े तो भगवान ने उन्हें साक्षात दर्शन दिए। सुदामा ने रास्ते में मिले सभी पीड़ितों के दुख दूर करने की प्रार्थना की तो भगवान जगन्नाथ ने उन्हें एक बेंत देकर कहा कि जिसे यह बेंत मारोगे उसके सभी कष्ट दूर हो जाएंगे। मान्यता है कि तब से चौत्र मास शुक्ल पक्ष शुरू होने पर श्रद्धालु भक्तिपूर्वक सोमवार को भगवान जगन्नाथ का पूजन–अर्चन करते हैं और उनके बेंत खाकर अपने कष्ट दूर करने की प्रार्थना करते हैं। कार्यक्रम का संचालन बसंत लाल आजाद ने किया और काढ़ा प्रसाद का भोग लगाया। इस अवसर पर अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता, जय राम गुप्ता ,दाऊ दयाल गुप्ता , गगन दास गुप्ता, राजेश केसरवानी, त्रिलोकी केसरवानी, गीता गुप्ता, हैप्पी कसेरा आदि ने भगवान जगन्नाथ जी की आरती उतारी।

फुटपाथ व्यापारियों का शपथ ग्रहण हुआ संपन्न

प्रयागराज। फुटपाथ व्यापारी एकता समिति का शपथ ग्रहण समारोह सिविल लाइन स्थित बी एस एन एल आफिस के पास सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी का व्यापारी एकता समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता व संस्था के मुख्य संरक्षक ने स्वागत किया। फुटपाथ व्यापारी एकता समिति के अध्यक्ष के रूप में विकास अग्रहरि के साथ विमल गुप्ता महामन्त्री, श्रीमती लीलावती पाण्डेय व कमलेश कुमार उपाध्यक्ष, रुपेश यादव कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों ने देश समाज राष्ट्र व व्यापारी हित में काम करने की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने कहा कि फुटपाथ पर छोटी पूंजी से व्यापार करने वाले व्यापारी अनेकानेक संकटों से जूझते हुए समाज की सेवा करते हैं इसलिए मैं इनके हितों के लिए सदैव तत्पर रहता हूँ।

समारोह में फुटपाथ व्यापारी एकता समिति प्रयागराज मुख्य संरक्षक विजय गुप्ता ने कहा कि समाज में होने वाले धार्मिक व सामाजिक सेवा हेतु फुटपाथ पर बैठा व्यापारी आगे आकर तन मन धन से सहयोग करता है। कार्यक्रम का संचालन अवधेश निषाद ने किया। समारोह में मुख्य रूप से पार्षद आशीष द्विवेदी, मनीष गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, सीतादेवी, रानी केसरवानी, कलावती गुप्ता, सारिका शर्मा, इफ्तिखार अंसारी गणेश गुप्ता आदि ने सम्बोधित किया।

महापौर ने किया नए रिबोर नलकूपों का उद्घाटन

प्रयागराज। महापौर गणेश केसरवानी ने विजयपुर कोठी मुट्ठीगंज जोन 2, मोहितसमगंज सब्जी मंडी के पास , दशा सुमेर मंदिर के पास दारागंज जोन 4, एवं आजाद नगर रसूलाबाद जोन 3 के नए रिबन नलकूपों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और हमारी सरकार ने हर घर नल और हर नल में जल के लिए जो संकल्प लिए हैं उसे संकल्प को सिद्धि तक ले जाना और जनता जनार्दन को स्वच्छ पानी घर–घर तक पहुंचाने का काम ट्रिपल इंजन की सरकार कर रही है। इस अवसर पर वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, पार्षद नीरज गुप्ता, पार्षद कुसुम लता गुप्ता, पार्षद सुप्रिया दास, पार्षद मीनू तिवारी, अजय अग्रहरि, भरत निषाद, विजय श्रीवास्तव, मनीष केसरवानी, राजन शुक्ला, सुनील केसरवानी, सोनू कन्हैया लाल गुप्ता, नीरज केसरवानी हरीश मिश्रा एवं स्थानीय जनता उपस्थित रही।

रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर दुर्लभ अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रायागराज। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस के अवसर दुर्लभ अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन आज क्षेत्रीय अभिलेखागार प्रयागराज में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ सालेहा रशीद विभागाध्यक्ष अरबी फारसी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा किया गया गया। प्रस्तुत प्रदर्शनी में प्रमुख रूप से रानी लक्ष्मीबाई द्वारा हस्ताक्षर युक्त पत्र, दीवान लक्ष्मणराव सलाहकार रानी लक्ष्मीबाई को कालापानी की सजा, रानी लक्ष्मीबाई की सम्पति जब्ती अभिलेख, रानी के बनारस स्थित भवनों की सूची, रानी की मृत्यु संबंधी टेलीग्राफ, रानी के सहयोगियों महीप सिंह, दीवान लक्ष्मण राव, भोले अहीर, लाला दुबे को दी गई फांसी तथा कलापानी की सजा संबंधित अभिलेखों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत झांसी का स्वतंत्रता संग्राम संबंधित संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डा० गोपाल मोहन शुक्ला पुस्तकालय अध्यक्ष पब्लिक लाइब्रेरी प्रयागराज द्वारा झांसी की क्रांति पर विचार व्यक्त किया गया। अन्य वक्ताओं में डॉ विमला व्यास पूर्व सहनिदेशक , डॉ. रवि भूषण प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज प्रयागराज , जगदीश नारायण विश्वकर्मा, श्याम सुदंर सिंह पटेल द्वारा भी विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने समिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अतिथियों का स्वागत तथा कार्यक्रम का संयोजन श्री राकेश कुमार वर्मा, प्राविधिक सहायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा० रश्मि शुक्ला, रंगबली पटेल, हरिश्चंद्र दुबे, दीपिका सिंह, रतनेश् द्विवेदी, रोशन लाल, वेद प्रकाश, राजेश कुमार सोनकर आदि की उपस्थिति रही।

क्षत-विक्षत अवस्था में मिला 80 वर्षीय वृद्ध का शव

घोसी, मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के पकड़ी बुजुर्ग के हरबंशपुर निवासी 80 वर्षीय तिरछू निषाद का शव गौरीडीह से पकड़ी बुजुर्ग को जाने वाले चक मार्ग पर उनके गांव से कुछ दूरी पर रविवार की सुबह लगभग 10 बजे पाया गया। वह बुधवार की सुबह घर से घोसी आए थे। घोसी से पैदल ही हाथ में लाठी लिए घर जा रहे थे। अनुमान लगाया जाता है कि कड़ी धूप के चलते चक्कर खाकर गांव के समीप चकमार्ग के किनारे गिर गए। उनके पुत्रों ने मुख्य मार्ग पर तलाश किया पर पता न चला। रविवार की सुबह सिवान में जानवर चरा रहे ग्रामीणों ने क्षत–विक्षत अवस्था में उनका शव देखकर शोर मचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तलाशी लिया। उनकी जेब से 1840 रुपये मिले। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

घर में मिली रिटायर्ड रेलवे अफसर की लाश

प्रायागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में रेलवे के रिटायर्ड अधिकारी की लाश उनके घर में मिली। दुर्गंध उठने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि वह इन दिनों अकेले रह रहे थे। उनकी लाश 48 घंटे से ज्यादा पुरानी है। पुलिस ने छानबीन के बाद लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे में अधिकारी के पद से रिटायर्ड शिवबचन शर्मा तकरीबन 75 वर्ष के थे। धूमनगंज थाना क्षेत्र के इरबो कालोनी, संगम बिहार, झलवा में मकान बनाकर परिवार के साथ रहते थे। उनकी पत्नी मिथलेश शर्मा अपनी बेटी सुधा शर्मा के पास लखनऊ गई हुई थीं। वह घर पर अकेले थे। आज शिवबचन के घर से पड़ोसियों ने दुर्गंध महसूस की तो पुलिस को खबर दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो उनका दरवाजा अंदर से बंद था।

बाहर दो दिन पुराना न्यूज पेपर पड़ा हुआ था। उसके साले डॉ. एमके शर्मा को बुलाया। अंदर दरवाजा खोलकर जब सब लोग अंदर पहुंचे तो फर्श पर रामबचन सिंह की लाश पड़ी हुई थी। लाश पुरानी होने की वजह से दुर्गंध उठने लगी थी। किचेन में रोटी रखी हुई थी। छानबीन के बाद पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। उनकी बेटी सुथा, पत्नी मिथिलेश शर्मा भी लखनऊ से आ गए हैं। इंस्पेक्टर धूमनगंज राजेश कुमार मौर्या ने बताया कि शिवबचन शर्मा कई रोगों से ग्रसित थे। आशंका है कि उनकी मौत बीमारी से हुई होगी, लेकिन जब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आ जाती, कुछ नहीं कहा जा सकता।

पुलिस गिरफ्त में गांजा कारोबारी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री की रोकथाम कसे जारी अभियान में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ राजापुर शीतला प्रसाद पाण्डेय की देखरेख में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी नागेन्द्र कुमार नागर की अगुवाई में पुलिस ने तीन अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करों को 15 किलो गांजा समेत गिरफ्तार किया।

रविवार को पहाडी थाने के वरिष्ठ दरोगा राहुल पाण्डेय की टीम ने मुखबिर की सूचना पर सिंघनिया तालाब असोह के पास से सुखचन्द्र भत्रा पुत्र रतन भत्रा निवासी कुमुली थाना रायधर जिला नवरंग उड़ीसा को छह किलो गांजा, कार्तिक बड़नायक पुत्र नरसिंह निवासी पिपलपुट थाना मांझाकुण्ड जिला कोरापुट उड़ीसा के कब्जे से पांच किलो गांजा व प्रिति गुन्था पत्नी भक्ता गुन्था निवासी आदिवासी कलौनी थाना रायधार जिला नवरंग उड़ीसा को चार किलो गांजा समेत गिरफ्तार किया। पूंछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उड़ीसा से गांजा तस्करी करके लाते है।

करेली में बिजली की रोस्टिंग से कैंसर, हार्ट तथा किडनी के रोगी परेशान

प्रयागराज। एक तरफ जहां प्रचंड गर्मी से चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है, वहीं करेली से जुड़े आधा दर्जन से अधिक मोहल्लों में धुआंधार बिजली कटौती हो रही है। रोस्टिंग से बुजुर्गों,महिलाओं, बच्चों और गंभीर बीमारी से जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे मरीजों का जीना मुहाल हो गया है। पिछले एक हफ्ते से हालात यह हो गए हैं कि अब तो रात को भी रोस्टिंग हो रही है। जिसके चलते कैंसर, हार्ट, किडनी और अन्य गंभीर रोगियों का जीना दुश्वार हो गया है। करेली के करामत चौकी, आजाद नगर, रहमत नगर, शम्स नगर, मदारीपुर, ए ब्लॉक, नया रसूलपुर, 12 मार्केट आदि मोहल्लों के निवासियों परवेज, शाहिद, विनोद अजय, राजीव, अशफाक, मुन्ना, लालजी, राशिद, गयास, अफसर, सौरभ, राकेश, पप्पू, शिवम, बबलू, मिनहाज, अफसरी, गुड़िया, सीमा, में राज, सुनीता, पूजा, अंसार, कादिर, अबसार आदि लोगों ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से लाइट का बुरा हाल है। 24 घंटे में कई घंटे लाइट कट रही है। रोस्टिंग के बाद एक घंटे बिजली रहती है तो एक से दो घंटे बिजली गुल रहती है। अब तो सुबह से रात तक रोस्टिंग हो रही है। झुलसा देने वाली गर्मी से जनता परेशान हो गई है। जिसके चलते किसी के पिता, किसी की माता, बहन , पत्नी, भाभी, किसी के बाबा जो कैंसर, हार्ट, किडनी गंभीर रोगी हैं। उनका जीना दुश्वार हो गया है। बिजली कटौती के चलते पानी भी नहीं मिल रहा है। हालात यह हो गए हैं लोगों को पानी भी खरीदकर पीना पड़ रहा है। जनता का यह भी आरोप है कि पावर हाउस के अधिकारी व कर्मचारी फोन नहीं उठाते। अगर फोन उठाते भी हैं तो लाइन लास का रोना रोकर, धमकी देते हुए फोन काट देते हैं। जबकि इसके जिम्मेदार वे लोग खुध्द ही है और कुछ की गलती की सजा सब को क्यों? करेली क्षेत्र में इस भीषण गर्मी में बिजली की रोस्टिंग से हाहाकार मचा हुआ है। क्षेत्रवासियों का यह भी कहना है कि एक ओर जहां मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री और अपर मुख्य सचिव तथा पावर कारपोरेशन के चेयरमैन का तत्काल बिजली व्यवस्था में सुधार लाने का आदेश है।

प्रयागराज में अमृत सरोवरों में होगा 175 करोड़ लीटर वर्षा जल का संचय

अमृत सरोवरों में जल संरक्षण में प्रयागराज प्रदेश में अव्वल

प्रयागराज। यूपी में गांवों में जल संरक्षण एवं जल संचय पर केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार लगातार निगरानी कर रही है। जल संरक्षण और जल संचयन के उद्देश्य से अमृत सरोवरों के निर्माण में देश में सबसे आगे चल रही योगी सरकार का यह संकल्प ग्रामीण इलाकों में गिरते भूगर्भ जल स्तर को रोकने में भी सहायक बन रहा है। संगम नगरी प्रयागराज से इसे लेकर उत्साहित करने वाले परिणाम सामने आये हैं।

संगम नगरी प्रयागराज वर्षा जल संचय को लेकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने जा रही है। अमृत सरोवरों के निर्माण और उनके संरक्षण के विधिवत प्रयास कर रही प्रदेश की योगी सरकार के प्रयास से प्रयागराज जल संरक्षण एवं जल संचयन में प्रदेश में अव्वल स्थान हासिल करने जा रहा है। जिले के मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार के मुताबिक जनपद में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 400 से अधिक अमृत सरोवर बनकर तैयार हैं। लगभग 6000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में इन सरोवरों का निर्माण किया गया है। इन सरोवरों में अब पौने दो अरब लीटर वर्षा का जल संचय किया जाएगा। इस तरह अमृत सरोवरों में वर्षा जल संचयन के विषय में प्रयागराज प्रदेश में अव्वल स्थान हासिल करने के करीब है।

योगी सरकार के निर्देश पर जनपद में अमृत सरोवर के निर्माण कार्य में प्रशासनिक तत्परता सामने आई है। उपायुक्त मनरेगा कपिल कुमार बताते हैं कि अमृत सरोवरों के निर्माण पर जिले में लगभग ध्82 करोड़ खर्च हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि सबसे ज्यादा जिले के यमुनापार के मांडा,मेजा, कौन्धियारा, करछना, उरवा और जसरा क्षेत्र में अमृतसरों का निर्माण कराया गया है। कोरांव , शंकरगढ़ और बारा इलाके में भी बड़ी संख्या में यह सरोवर बनाए गए हैं। गंगा पार के बहादुरपुर, सोरांव, फूलपुर, धनुपुर, भगवतपुर, सैदाबाद, हंडिया, मऊआईमा, श्रंगवेरपुर, कौड़िहार, होलागढ़, बहरिया क्षेत्र में बड़े अमृतसरों का निर्माण किया गया है।

वर्षा जल संचय से सुधरेगा गावों में भूगर्भ जल स्तर

प्रयागराज। पिछले कई वर्षो से मानसून कमजोर रहने की वजह से जनपद में औसत वार्षिक वर्षा लगातार कम होती जा रही है। जिले में औसत वार्षिक वर्षा 835 मिमी के करीब पहुंच गई है। इधर स्थानीय लोगों में जल संरक्षण के व्यवहार में आये बदलाव से लगातार हर साल भूगर्भ जल स्तर नीचे गिर रहा है। सरकार की तरफ से जनपद में 400 से अधिक अमृत सरोवर के निर्माण से इनमे वर्षा का 175 करोड़ लीटर वर्षा जल संचय होगा।

जैविक कृषि हमारी परंपरागत कृषिः डॉ. स्वरूप

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। सोसायटी आफ बायोलॉजिकल साइंसेज एंड रूलर डेवलपमेंट , प्रयागराज में दूसरे दिन का जैविक खेती नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत डॉक्टर हेमलता पंत ने किया। इस कार्यक्रम में प्रथम वक्ता डॉ डी स्वरूप पशु वैज्ञानिक मैनपुरी रहे। डॉ डी स्वरूप ने रोल ऑफ लाइवस्टॉक इन ऑर्गेनिक फार्मिंग पर अपना व्याख्यान दिया। डॉक्टर स्वरूप ने बताया कि जैविक कृषि हमारी परंपरागत कृषि है। हमारे पशु हमारे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीड हैं। यदि हमें जैविक खेती करनी है तो हमारे पास पशुधन होना ही चाहिए। पशुधन से मिलने वाला गोबर, मूत्र, बकरी, भेड़ के मल मूत्र एवम् इसकी सिंघ और खुर में नाइट्रोजन मिलता हैं।

अतः हमें पशुधन की महत्ता को समझना होगा तथा जागरूक होना होगा। गाय के गोबर में बहुत अधिक लाभदायक जीवाणु मिलते हैं जो मृदा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। सरकार की एक योजना के अंतर्गत एक आधार कार्ड पर चार देसी गाय मिल जाएगी। अतः इनसे दूध, दही, मट्ठा, गोमूत्र सब प्राप्त कर सकते हैं। जिससे जैविक खाद को बढ़ावा मिलेगा। गोबर का प्रयोग वर्मी कंपोस्ट, नाडेप, बायोडायनेमिक खाद में भी करते हैं। इस प्रशिक्षण के दूसरे वक्ता डॉ डाखम जेम्स सिंह शूआट्स ने अपने वक्तव्य में बताया कि जैविक खेती में गोबर की खाद एवं और जानवरों की खाद बहुत उपयोगी होती है। गोबर की खाद में एन पी के और विभिन्न पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह भूमि को और उर्वर बनाने के साथ–साथ भूमि के जल धारण क्षमता में सुधार करती है। इसी प्रकार पोल्ट्री खाद, हड्डियों की खाद का प्रयोग भी भूमि की उर्वरता को बढ़ाने में हेतु किया जाता है। अतः इन सब के बारे में उचित प्रशिक्षण एवं जानकारी की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में डॉ मनोज कुमार सिंह, डॉ विजय रंजन चौधरी, डॉ. मधुमिता पांडे, डॉ. पल्लवी राय, डॉ ज्योति वर्मा, कुमारी अनुराधा यादव, कुमारी निधि गुप्ता सहित 50 प्रतिभागी उपस्थित थे । इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विनी जान एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमित कुमार मौर्य ने किया।

एसटीएफ ने पकड़ा साढ़े नौ लाख का गांजा

प्रयागराज। एसटीएफ की प्रयागराज इकाई ने वाराणसी कानपुर हाईवे पर उपरदहा गांव के सामने एक दुकान के पास से दो इंटरस्टेट गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनकी कार में स्पेशल कैविटी बनाकर छिपाए गए 37.600 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 09. 50 लाख रुपए आंकी गई है। एसटीएफ टीम ने पूछताछ के बाद बताया है कि पकड़े गए दोनों तस्कर काफी दिनों से इस धंधे में लिप्त थे। एसटीएफ के डिप्टी एसपी नवेन्दु सिंह ने बताया कि प्रयागराज फील्ड इकाई की टीम को सूचना मिल रही थी कि इन दिनों कानपुर – वाराणसी हाईवे के रास्ते से गांजे की तस्करी की जा रही है। यह गांजा उड़ीसा से मंगा कर प्रयागराज व आसपास के जिलों में हटाया जा रहा है। सटीक मुखबिरी पर 17 जून की रात में वाराणसी – कानपुर हाईवे पर समीर गुप्ता की दुकान के सामने उपरदहा गांव के समीप एक संदिग्ध कार को रोका गया। फोर्ड फिएस्टा कार मध्य प्रदेश के रास्ते प्रयागराज की ओर आ रही थी। एसटीएफ टीम ने घेराबंदी करके कार को रोका और तलाशी ली। प्रथम दृष्टया तो उसमें कुछ नहीं मिला, लेकिन जब कार के अंदर बनाई गई स्पेशल कैविटी को चेक किया तो उसमें 37.600 किलोग्राम गांजा पैकेट में पैक करके रखा हुआ मिला। जिसे एसटीएफ ने जब्त कर लिया। हिरासत में लिए गए तस्करों में सतीश सिंह पुत्र स्वर्गीय महेंद्र सिंह निवासी फेसुरा, सैयदराजा, चंदौली और मिनीकेतन नायक पुत्र धनूर्या नायक निवासी मुंडरा, गुड़ा, मंगलपुर, जयपटना, कालाहांडी, उड़ीसा जो कार ड्राइवर था, उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में उन लोगों ने बताया कि वह लोग पुराने वाहन खरीद कर उसमें स्पेशल कैविटी रूपी एक बॉक्स बनवाते हैं, ताकि वह पकड़े न जा सके। वह लोग उड़ीसा से मिट्ठू नामक व्यक्ति से गांजे की खेप लेते हैं और यहां सतीश सिंह द्वारा प्रयागराज व आसपास के जिलों में इस खपाया जाता है। जिसके बदले में उन्हें मोटी रकम का फायदा होता है। पूछताछ में बताया कि उनका पूरा एक गैंग है। हर जगह उनके आदमी रहते हैं। गिरफ्तारी करने वाली एसटीएफ टीम में एसआई रविंद्र कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल अमित कुमार शर्मा, संतोष कुमार, रोहित सिंह, किशनचंद्र कांस्टेबल चालक अखंड प्रताप पांडेय शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।